हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–296 : जौनपुर, सोमवार 07 मार्च फरवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

यूक्रेन से लौटे छात्र बोले– मोदी सरकार के प्रयासों की दूसरे देशों के छात्र भी कर रहे तारीफ

लखनऊ ब्यूरो : यूक्रेन से सुरक्षित लौटे यूपी के बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है। बच्चों ने कहा कि देश से 6000 किलोमीटर दूर युद्ध के बीच अपने लोगों की सुरक्षा के लिए मोदी सरकार जैसा प्रयास कर रही है, उसने दूसरे देशों के साथी छात्रों को भी कायल बना दिया है। रोमानिया और हंगरी बॉर्डर तो केवल भारतीयों के लिए खुल रहे हैं। वहां पहुंचकर यह समझ आया कि मोदी है तो मुमकिन है। युद्धग्रस्त क्षेत्र से लौटे बच्चों ने सीएम योगी से मुलाकात के दौरान बताया कि सीमा पार करते समय अन्य देश के बच्चे भी साथ थे। जब उन्हें पता चला कि भारत सरकार ने अपने देश के बच्चों की वापसी के लिए पूरा इंतजाम किया है, तो उन सबने बड़ी सराहना की। तब हमें लगा की देश में सशक्त सरकार कितनी जरूरी है। बच्चों ने युद्ध शुरू होने से पूर्व भारतीय दूतावास से जारी एडवाइजरी और बंकर में बिताए दिनों को लेकर भी चर्चा की। छात्रों ने बताया कि एक ओर उनसे केंद्र सरकार के मंत्री, अधिकारी, दूतावास के अधिकारी संपर्क में थे, तो यहां यूपी में घर पर लेखपाल से लेकर जिलाधिकारी तक माता–पिता से लगातार संवाद में थे। ऐसे में मानसिक साहस भी बढ़ा। बच्चों ने दिल्ली में यूपी भवन में रुकने और फिर घर तक सरकारी वाहन से पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। छात्रों ने कही ये बातें बाराबंकी के प्रज्ज्वल वर्मा ने कहा कि मैं खारकीव में था। इंडियन एंबेसी ने बहुत मदद की। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह सर लगातार संपर्क में रहे। हम लोगों को पहले पोलैंड में होटल में ठहराया गया। फिर 3 मार्च को फ्लाइट से वापस आए। हमारा एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ। लखनऊ की आकांक्षा चौरसिया ने बताया कि मैं वेनेसा में थी। शुरुआत में थोड़ी असुविधा हुई, डर भी लगा। लेकिन दूतावास के अधिकारियों से बातचीत होती थी। मैं रोमानिया बॉर्डर पहुंची, वहां सब लोग मौजूद थे। भोजन, होटल, कपड़े सब सरकार ने दिए। मुंबई लाया गया, फिर योगी जी ने घर तक पहुंचाया। गोंडा के शिखर गुप्ता ने बताया कि खारकीव में 5 दिन बंकर में रहा। शुरुआत में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन दूतावास से संपर्क बनाए रखा। एक बार बॉर्डर पार किया फिर हमारे अधिकारी–मंत्री सब हमारे सामने थे। मेंटली काफी सपोर्ट मिला। बहराइच के शिवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मैं तो कीव में ही था। वहां बहुत खतरा था। लेकिन हमें खुशी है कि हमने मोदी और योगी को अपना अभिभावक

बनाया। यूक्रेन में एहसास हुआ कि मोदी और योगी हैं तो मुमकिन है। नीलमथा लखनऊ के आशीष राजा ने कहा कि मैं इवानो फ्रैंकीव्स्क में था, वहां से किसी तरह रोमानिया बॉर्डर पहुंचा। जहां से भारतीय दूतावास के अधिकारियों की मदद से 28 फरवरी को वतन वापसी की। सीएम योगी ने पहले हमसे बातचीत कर अनुभव को सुना। इसके बाद हमने भविष्य की चिंता जाहिर की तो उन्होंने कहा कि किसी का भविष्य खराब नहीं होगा। आगे की पढ़ाई भारत में कराने का रास्ता निकाला जाएगा। इन छात्रों ने कही ये बात लालबाग लखनऊ की सृष्टि अली ने कहा कि मैं ओडेसा शहर में थी। वहां से 3 मार्च को लखनऊ आई। बंकर से टीचर आज भी ऑनलाइन क्लास लेकर पढ़ा रहे हैं। यह सब अनुभव हमने सीएम से साझा किए। सीएम से उम्मीद है कि अगर यहां आगे की पढ़ाई की व्यवथा हो जाए तो काफी अच्छा रहेगा। उम्मीद है कि सरकार भविष्य को ध्यान में रखते हुए सही निर्णय लेगी। राजाजीपुरम लखनऊ के शीनम मोंगिया ने कहा कि मैं ईस्टर्न बॉर्डर के शहर में थी, लेकिन वहां से हंगरी पहुंचने के बीच बहुत कुछ झेला। ट्रेन में चढ़ने के लिए घूस देने से लेकर ट्रेन में शौचालय के पास बैठकर सफर करने की दास्तां शामिल है। 6 दिन में इतना कुछ सहा कि मैं बीमार हो गई। 3 मार्च को लखनऊ पहुंची तो सुकून मिला। सीएम ने हमारे भविष्य को सुरक्षित करने का आश्वासन दिया है। गोमतीनगर लखनऊ की क्यूरी श्रीवास्तव ने कहा कि सीएम से मिलकर अच्छा लगा। हमने उनसे अपने अनुभव के साथ भविष्य को लेकर होने वाली चिंता भी साझा की। उन्होंने आश्वस्त किया है कि जल्द भविष्य को लेकर उचित रास्ता निकालेंगे। किसी का भविष्य खराब नहीं होगा। अलीगंज लखनऊ के आर्यमान प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जब खुद हमसे हमारे अनुभव को जाना तो अपनापन लगा। हम उनसे चंद मिनटों में ही घुल मिल गए। उन्होंने हमें आश्वस्त किया है कि भारत में ही आगे की पढ़ाई का रास्ता निकाला जाएगा। उम्मीद है सब कुछ ठीक हो जाएगा।

भाजपा सरकार बनी तो छुट्टा जानवरों की समस्या का होगा स्थायी समाधान : ये है पूरा प्लान

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर छुट्टा जानवरों की समस्या का स्थायी समाधान प्राथमिकता से करने की तैयारी है। सरकार और संगठन ने इस समस्या के समाधान के लिए छुट्टा गोवंश को ऊर्जा और प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ने की योजना बनाई है। दरअसल, वर्ष 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही अवैध बूचड़खानों को बंद कराया गया था। इससे छुट्टा गोवंश की समस्या पैदा हो गई। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भी सरकार और संगठन के खिलाफ छुट्टा जानवर ही सबसे बड़ा मुद्दा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी चुनावी सभाओं में इस समस्या को स्वीकार करते हुए इसे रोजगार से जोड़ने की बात कही। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बीते शनिवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि आने वाले समय में गोवंश संरक्षण के कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाने की योजना है। इसे ऊर्जा और प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ा जाएगा। हालांकि सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए हर जिले में गोआश्रय स्थल खोले। बेसहारा गोवंश के संरक्षण के लिए लागू तीन योजनाओं के जरिए 9 लाख गोवंश का संरक्षण भी किया। लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 में छुट्टा जानवरों का मुद्दा भाजपा के गले की फांस न बने इसके लिए अभी से योजना बनाने

की तैयारी है। सरकार और संगठन ने गोवंश के गोबर को ऊर्जा और प्राकृतिक खेती से जोड़ने के साथ गोमूत्र, दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने की योजना पर मंथन शुरू किया है। प्रत्येक ब्लॉक में गोबर से ऊर्जा और उसके प्राकृतिक खेती में उपयोग के लिए प्लांट स्थापित करने की योजना है। इसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी सरकार के साथ बड़ी भूमिका निभाएगा। योजना है कि प्रदेश में सरकार बनने पर एक साल में इस समस्या को पूरी तरह समाप्त कर गोवंश को रोजगार से जोड़ दिया जाए।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - **dku live** चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

जिलाधिकारी जौनपुर द्वारा निर्वाचन के दौरान किया गया कई जगह निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो : जनपद जौनपुर में विधानसभा निर्वाचन 2022 सकुशल संपन्न करानें के लिए जिलाधिकारी जौनपुर मनीष कुमार वर्मा द्वारा जनपद के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया एवं सकुशल मतदान करानें के निर्देश दिये गये। जनपद में प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार सायं 05:00 बजे तक

मतदान प्रतिशत इस प्रकार रहा। 364–बदलापुर 54 प्रतिशत, 365 शाहगंज –54 प्रतिशत, 366 जौनपुर सदर –54.1 प्रतिशत, 367 मल्हनी–56 प्रतिशत, 368 मुगराबादशाहपुर–53.6 प्रतिशत, 369 मछलीशहर–54 प्रतिशत, 370 मड़ियाहूं–55 प्रतिशत, 371 जफराबाद–53.2 प्रतिशत, 372 केराकत–48.6 प्रतिशत रहा। जिसका कुल औसत प्रतिशत 53.61 जनपद में मतदान पड़ा।

ढलाई की मशीन पलटने से 4 लोगों की मौत : साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हुआ ट्रैक्टर

देश की उपासना

पत्रकार धनन्जय विश्वकर्मा : खेतासराय थाना क्षेत्र के जमदहा में ढलाई की मशीन पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई बता देगी अब्बोपुर गांव से शनिवार की शाम, श्याम बिन्द के यहां छत की ढलाई करके सभी मजदूर ट्रैक्टर के साथ अपने घर जा रहे थे। इसी बीच दीदारगंज मार्ग पर अचानक एक साइकिल सवार ट्रैक्टर की चपेट में आ गया, जिस की दर्दनाक मौत हो गई इसके बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। ट्रैक्टर व ढलाई मसीन रोड के किनारे खाई में पलट गया ट्रैक्टर में बैठे चार मजदूर हादसे की शिकार हो गए। मानीखुर्द गांव निवासी साइकिल सवार टुनटुन प्रजापति और उपरोक्त समय चार लोग ट्रैक्टर के बीच में आ गए, ट्रैक्टर पर बैठे मजदूर अब्बोपुर निवासी चिंता लाल और हरी चंद गौतम खतौलीपुर निवासी शंकर, की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अब्बोपुर के ही रहने वाले राम सकल यादव घायल हो गए जिनका अस्पताल में इलाज जारी है घटना की सूचना मिलते

ही खेतासराय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर मशीन के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने का कार्य किया सभी लोगों को तत्काल इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शोधी, पर भेजा गया जहां चिकित्सक ने 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया जबकि हादसे में घायल एक युवक की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज जारी है। प्रशासन ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन को इस की सूचना मिलने पर घर में कोहराम मच गया।

निर्वाचन सकुशल संपन्न कराने हेतु विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में कंट्रोल रूम स्थापित

जौन्पुर सू.वि. : विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल संपन्न कराने हेतु विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम मे उप जिलाधिकारी कुमार सत्यम जीत के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम प्रतिक्षण/निरीक्षण कर रही। कंट्रोल रूम में टेलीफोन के माध्यम से 23 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें 9 शिकायतें ईवीएम से लेकर एवं अन्य शिकायतें प्राप्त हुई, जिसका निस्तारण पीठासीन

अधिकारी द्वारा किया गया। इस दौरान सोशल मीडिया, चैनलों, आरटीआर शिकायतें, फेसबुक, ट्विटर इत्यादि के माध्यम से भी शिकायतों प्राप्त हुई, जिसका निस्तारण समय से कराया गया। प्रभारी अधिकारी वेबकास्टिंग/उप जिलाधिकारी डॉ ललित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में वेबकास्टिंग के कार्यों हेतु अधिकारियों की टीम के माध्यम से वेबकास्टिंग कराए गए। उन्होंने बताया कि कुल 9 विधानसभा में निष्पक्ष, पारदर्शी निर्वाचन कराने के लिए वेबकास्टिंग हेतु एसएनआर के टेक्निकल टीम द्वारा कैमरे पर एक्टिव रहें। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनुराधा श्रीवास्तव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉक्टर तूलिका शर्मा, दिव्यांग जनसशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार एवं अन्य अधिकारीगण की टीम में मौजूद रहे।

भगवान शिव कल्याणकारी शुभकारी और दुख हरता हैं : रविलाल

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शिव सत्संग मण्डल के तत्वावधान में सिकंदरपुर कल्लू गांव में आयोजित आध्यात्मिक सत्संग में धर्म अध्यात्म प्रचारक रविलाल ने कहा कि भगवान शिव कल्याणकारी, शुभकारी और हमारे पापों का नाश करने वाले हैं। उनका स्मरण हमारे सभी दुख हर सकता है। उन्होंने बताया कि शिव वह चेतना है, जहां से सब कुछ आरंभ होता है, जहां सबका पोषण होता है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। अर्थात शिव ही वह शक्ति है जो सृजन के साथ संघार कर सकती है। सृष्टि में जहां भी जीवन है, वह शिव के बाहर नहीं हैं। यह पूरी सृष्टि ही शिव में विद्यमान है। आपका मन, शरीर सब कुछ केवल शिव तत्व से ही बना हुआ है, इसीलिए शिव को 'विश्वरूप' कहते हैं जिसका अर्थ है कि सारी सृष्टि उन्हीं का स्वरूप है। शिवलिंग अनंत शिव की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। उनका कहना था कि वैसे तो हम बड़े धैर्यवान दिखते हैं, लेकिन छोटी से विपत्ति आते ही हम धीरज और धर्म दोनों को तज देते हैं। समय आने पर हर बात सिद्ध होती है। जैसे माली अपने पौधों को धीरज धर कर सींचता है तो ही समय आने पर वो फल देते हैं। ठोकर खाकर गिरने वाले को तो कोई ना कोई सम्भाल लेगा। लेकिन जो कर्मो से गिर जाता है उसे कोई नहीं सम्भाल सकता। उन्होंने कहा कि मनुष्य की कितनी उत्तम रचना परमात्मा ने की। लेकिन इस अनमोल दौलत को हमने कौडियों के भाव लगा कर व्यर्थ कर लिया। कहा कि अपने मन और इंद्री पर सत्संग की लगाम लगा कर देखो कि कितना सुखद परिणाम मिलता है। उन्होंने कहा कि धीरज की भांति ही धर्म है। जो धर्म पर टिकता है उस का कल्याण निश्चित है। हर इंसान जीवन के हर धर्म को निभाए। पिता हो तो पिता का, भाई हो तो भाई का धर्म निभाना सीख लो। मजहबो में फंस कर धर्म से मत भटको। धर्म वो नहीं है जो संसार ने चला रखें हैं। धर्म वो है जो धारण किया जा सके। केंद्रीय संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि जीवन में आप जिस भूमिका में है उसे पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निभाना ही धर्म है। कहा कि बनी बनाई में तो सभी मित्र हैं। मुसीबत के समय भी जो आपको ना छोड़े वो ही असल मित्र है। अब अपने आप को वर्तमान समय में इस उक्ति पर तोलो। मनन करो कि कोरोना काल की विकट घड़ी में क्या आपने धैर्य खोया या नही। विचार करो कि क्या इस बुरे

दौर में भी आपने अपने मानव धर्म को त्यागा या नहीं। किस मित्र ने इस विकट दौर में आपका साथ निभाया और क्या आपकी स्त्री ने इस विकट दौर में कितना संबल प्रदान किया।इसलिए ईश्वरीय स्मृति में रहते हुए अपने कर्तव्य का पालन करें। इस आध्यात्मिक सत्संग का शुभारंभ आयोजक राम बहोरन दीप प्रज्ज्वलित कर, सामूहिक ईश प्रार्थना से किया। इस अवसर पर बबलू,लालाराम,बसंत लाल,राम किशोर, लकी, आशाराम, हरिश्चन्द्र, राहुल सहित अनेक सत्संगी बंधु बहिनें मौजूद रहीं। सभी ने समापन पर रोजाना ब्रह्म मुहूर्त में उठकर प्रकाश स्वरूप परमेश्वर का ध्यान लगाने का शिव संकल्प लिया।

मतदाता जागरूकता अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में आज मतदाता जागरूकता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।विधानसभा सामान्य निर्वाचन के लिए जनपद में चौथे चरण के लिए 23 फरवरी को हुए मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए 26 जनवरी से 22 फरवरी तक विद्यालय के लगभग एक सैकड़ा बच्चों के द्वारा चलाये गए मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न माध्यमों से मतदातओं को अनवरत जागरूक करने का कार्यकर्म चलाया गया। बच्चों के इस सराहनीय योगदान के लिए विद्यालय की प्रबंध समिति की ओर से आज प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक वीके दुबे ने बच्चों को विभिन्न प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से प्रोत्साहित किया उन्होंने मतदाता जागरूकता अभियान में भाग लेने वाले बच्चों के सराहना की। डीआईओएस श्री दुबे ने छात्रों को इंस्पायर्ड अवार्ड में प्रतिभाग करने व उत्कृष्ट प्रदर्शन करके देश के विकास में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी टड़ियावाँ डॉक्टर सत्य प्रकाश यादव ने बच्चों को परिवर्तन प्रकृति का नियम पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका प्रयास बड़ों के लिए संदेश बना तथा उन को प्रेरित करने का काम किया। आरपीएफ इंस्पेक्टर रवि भूषण सिंह जो कि विद्यालय के भूतपूर्व छात्र रहे हैं ने अपने जीवन के कई अनुभवों के माध्यम से बच्चों को प्रोतसाहित करके उन्हें जीवन पथ पर सदैव अग्रसर रहने की प्रेरणा प्रदान की। विद्यालय प्रबंधक अखिलेश सिंह ने बच्चों से अतिथियों द्वारा दिए गए अनुभवों व उनके सुझावों पर अमल करने की अपील की। कार्यक्रम में छात्र अभिनव गुप्ता, अभिषेक वंशिका सुहानी साक्षी अनुष्का प्रगति वंशिका आर्यन प्रियांशी, अंशिका, ऋषि त्रिवेदी, राघव सिंह आदि को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उप प्रबंधक मुकेश सिंह, प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी ,बीना गुप्ता ,विनीता शुक्ला, मनसा बाजपेई ,दिव्या सिंह, सुधा गुप्ता, कविता गुप्ता ,प्रज्ञा तिवारी, सोनी तिवारी ,सोनम शुक्ला, नैंसी गुप्ता ,राम प्रकाश पांडे, अशोक गुप्ता ,देवेश प्रसाद ,संजय गुप्ता व शुभम सिंह आदि लोग मौजूद रहे। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विद्यालय के छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देने के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद आरपीएफ इंस्पेक्टर रवि भूषण सिंह अपने संबोधन में भावुक हो गए उन्होंने बच्चों से कहा जिस स्थान पर आप लोग बैठे हैं उसी स्थान पर कभी मैं भी इसी स्कूल में बैठता था उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस विद्यालय के अलावा कई विद्यालयों में मैंने शिक्षा ग्रहण की लेकिन जो अनुशासन व संस्कार यहां मुझे मिले वैसे कहीं भी नहीं मिले। श्री सिंह ने सभी बच्चों से अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मन लगाकर पढ़ने तथा विद्यालय से मिलने वाले अनुशासन व संस्कारों को हमेशा याद रखने के लिए प्रेरित किया।

8 मार्च को अभिलेखों की संवीक्षा मूल्यांकन भवन पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में होगा

जौनपुर सू.वि. : उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं भारत निर्वाचन आयोग के पत्र के अनुपालन में मतदान दिवस की अगली दिन अर्थात 8 मार्च 2022 को 11:00 बजे प्रारूप 17ए एवं अन्य अभिलेखों की संवीक्षा मूल्यांकन भवन पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में माननीय प्रेक्षक महोदय द्वारा की जाएगी, जिसमें समस्त निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 स्वयं या अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित हो।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
संत न बन सकें तो शान्त अवश्य बनें।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

रूस–यूक्रेन संघर्ष : भारत ने शांति का पक्ष लिया है

संयुक्त राष्ट्र युद्ध करने के लिए नहीं बना है, वह इसलिए बना है कि किसी भी तरह के संकट की स्थिति में कूटनीतिक हल निकाला जाए। यूक्रेन संकट के बीच भारत संयुक्त राष्ट्र में बातचीत से हल निकालने की बात ही तो कर रहा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ आए प्रस्ताव पर मतदान के दौरान भारत तीनों बार अनुपस्थित रहा और उसने दोनों पक्षों से बातचीत के जरिये इसका हल ढूंढ़ने की अपील की है। इसके जरिये भारत ने विदेश नीति के मसले पर एक ऐसी पहल की है, जो भारत के दृष्टिकोण को बहुत बेहतर तरीके से व्यक्त करती है। इससे स्पष्ट है कि भारत न तो रूस के साथ है, न अमेरिका के साथ और न ही यूरोपीय देशों के साथ।

यूरोपीय देशों में अभी जो स्थिति बनी है, वह भयावह होती जा रही है। हमारे देश के बहुत से बच्चे अब भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं, इसलिए एक तरह से भारत भी इससे जुड़ा हुआ है। भारत समेत दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर इसका बहुत बुरा परिणाम पड़ने वाला है। शेयर बाजार पूरी तरह से अस्थिर हो गया है। महंगाई लगातार बढ़ती चली जा रही है। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिलती है, उनके लिए तो परेशानी है ही, जिन लोगों को पेंशन मिलती है, उनके लिए भी महंगाई बढ़ने के कारण मुश्किल बढ़ जाएगी।

भारत ने जो फैसला किया है, वह इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए ही फैसला लिया है। मौजूदा स्थिति में पता नहीं चल पा रहा कि यह युद्ध कब तक चलेगा। पश्चिम और नाटो देशों ने यूक्रेन एवं रूस को ऐसे कगार पर खड़ा कर दिया कि उन्हें युद्ध करना पड़ रहा है। ऐसे में भारत ने बातचीत के जरिये शांति की जो पहल की है, वह जरूरी है। भारत ने युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से न जुड़े अन्य देशों को भी एक नई दिशा दिखाई है कि वे भारत के साथ जुड़कर बातचीत से समस्या के समाधान का दबाव बनाएं। सभी रूस को समझाएं कि युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है, दोनों देश आपस में सुलह करें और जब तक सुलह हो नहीं जाती, तब तक मानवीय कानूनों का पूरी तरह से पालन करें। निर्दोष लोगों, सेना और अर्थव्यवस्था पर इसके जो बुरे परिणाम हो रहे हैं, वे खत्म हों और कम से कम हों।

अमेरिका और अन्य नाटो देशों ने यूक्रेन की मदद करने की बात की है कि हम आपको हथियार देंगे, आप लड़िए, लेकिन यह तो कोई अच्छी बात नहीं है। भारत ने रूस को यह तो नहीं कहा है कि आपने यूक्रेन पर हमला करके अच्छा किया है। ऐसे में कैसे कहा जा सकता है कि भारत ने रूस का पक्ष लिया है? भारत ने सिर्फ शांति का पक्ष लिया है। हमने इसलिए शांति का पक्ष लिया है, क्योंकि हमने युद्ध की, आतंकवाद की विभीषिका झेली है।

मुझे नहीं लगता कि भारत के मौजूदा रुख से भारत–अमेरिका के रिश्ते पर असर पड़ना चाहिए, लेकिन ऐसी कोशिशें हो रही हैं। बहुत से लोग हैं, जो नहीं चाहते कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते बेहतर रहें। चीन के साथ भी हमारे रिश्ते उतने खराब नहीं थे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी काफी प्रयास किया कि चीन के साथ रिश्ते और बेहतर हों, लेकिन हमने देखा कि चीन के अपने ही अलग तेवर थे। उसकी महत्वाकांक्षा महाशक्ति देश बनने की है। इसके लिए जरूरी है कि अपने अड़ोस–पड़ोस के देशों और उससे संबंधित पुराने समझौतों को दबाया जाए। उसकी वजह से हमें क्वाड में शामिल होना पड़ा। ऐसा नहीं था कि हम क्वाड के माध्यम से कोई नया रणनीतिक समीकरण बनाना चाहते थे, कि चीन के ऊपर हम हमला करें। भारत यही कहता रहा कि चीन आक्रामक होने के बजाय शांति के मार्ग पर चले और अपने पड़ोसी देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करे। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भी हम यही कहते रहे कि सभी देशों के लिए कानून के अनुसार मुक्त आवाजाही का मार्ग मिले। दूसरी बात, हम चीन की वजह से क्वाड में शामिल हुए, रूस की वजह से नहीं। हम हमेशा यह कहते रहे हैं कि रूस के साथ हमारे रिश्ते अच्छे हैं। और अब अगर रूस और चीन साथ में मिल जाते हैं, तो उससे हमें नुकसान ही होगा। इसलिए हम खुलकर रूस का विरोध नहीं करना चाहते हैं। हथियारों के लिए हम रूस पर निर्भर हैं, हालांकि इस मामले में हमारी निर्भरता घट रही है। लेकिन अन्य देशों से जरूरत के हिसाब से हथियार आपूर्ति न होने की वजह से हमें रूस के साथ हथियारों के लिए नए–नए अनुबंध करने पड़ते हैं।

भारत संयुक्त राष्ट्र में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और अपनी बड़ी भूमिका की बात करता आया है। लेकिन यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में भारत का जो रुख है, उससे थोड़े समय के लिए भारत की भावी योजना और महत्वाकांक्षा पर निश्चित रूप से इसका असर पड़ सकता है। भारत की घरेलू राजनीति में भी और अमेरिका व नाटो के भीतर भी ऐसी बहस चल रही है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ मतदान करने के बजाय अनुपस्थित रहकर ठीक काम नहीं किया है। लेकिन मुझे विश्वास है कि इसके दूरगामी परिणाम बुरे नहीं होने चाहिए, क्योंकि भारत वही काम कर रहा है, जिसके लिए संयुक्त राष्ट्र बना है।

संयुक्त राष्ट्र युद्ध करने के लिए तो नहीं बना है, वह इसलिए बना है कि किसी भी तरह के संकट की स्थिति में उसका कूटनीतिक हल निकाला जाए। और भारत संयुक्त राष्ट्र के भीतर यही कह रहा है कि बातचीत से हल निकाला जाए। द्वितीय विश्वयुद्ध के जो विजेता देश थे, वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता लेकर बैठ गए। जबकि पिछले 75 वर्षों में जितने भी हमले हुए हैं और जितनी बर्बादी हुई है, वह अधिकतर विकासशील देशों में हुई है, जो स्थायी सदस्य नहीं हैं। इसलिए भारत जैसे लोकतांत्रिक देश को, जो हमेशा शांति के पक्ष में और विकासशील देशों के हित में बात करता रहा है, स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने जहां कहीं भी शांति सेना भेजी है, उसमें भारत ने अपने सैन्य जवान भेजे हैं।

कुछ लोग कह रहे हैं कि मौजूदा संकट में भारत, चीन और पाकिस्तान एक साथ खड़े हैं, लेकिन इसे दूसरी तरह से देखने की जरूरत है। भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है, जिसकी अपनी शांतिपूर्ण सभ्यता और संस्कृति रही है। चीन भी बड़ी आबादी वाला देश है और अपनी पुरानी सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है। पाकिस्तान ने अभी जो रुख अपनाया है, वह चीन, रूस तथा अन्य इस्लामी देशों, जहां नाटों के कारण अब तक सर्वाधिक बर्बादी हुई है, के साथ अपने रिश्तों के कारण लिया है। इसलिए अलग–अलग वजहों से ये देश आज एक साथ खड़े दिखते हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

खडी टैंकर में पीछे से भिड़ी रोडवेज : बस चालक समेत पांच घायल

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार की भोर यात्रियों को लेकर आ रही एक रोडवेज बस सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से जा टकराई । हादसे में बस चलक समेत 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिनको उपचार के लिए लखनऊ रेफर किया गया है।वही मामूली चोटहिलो को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी गई है।सूत्र के मुताबिक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस यूपी 50 एटी 7526 सवारियां लेकर लखनऊ से आजमगढ़ जा रही थी।इसी दौरान रोडवेज बस रविवार की भोर लगभग तीन बजे जैसे ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर रौनाही थाना क्षेत्र के गांव रतनपुर के पास पहुंची कि बस सड़क किनारे खड़े टैंकर में जा भिड़ी।इस हादसे के बाद चीख–पुकार मची तो स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस और एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के सहारे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल भिजवाया। सीएचसी के डाक्टरों ने मामूली रूप से चोटिल लगभग आधा दर्जन लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी। जबकि रोडवेज के बस चालक समेत 5 लोगों को गंभीर घायल होने के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल के इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि सुबह 4:15 बजे 21 वर्षीय जय हिंद वर्मा पुत्र मोहित वर्मा निवासी तहबरपुर थाना तहबरपुर आजमगढ़ व 21 वर्षीय प्रियंका कुमारी पुत्री सत्य प्रकाश निवासी परकौली थाना नगर कोतवाली आजमगढ़ तथा 5:00 बजे रोडवेज बस के चालक 55 वर्षीय अशोक सिंह पुत्र तीरथ सिंह निवासी बछावरपुर ताहिरपुर थाना रौनापार जनपद आजमगढ़, डीसीएम टैंकर के परिचालक 17 वर्षीय योगेश कुमार पुत्र शिवसागर निवासी नरहरा थाना महोली जिला सीतापुर व 21 वर्षीय आदिल पुत्र मोहम्मद इब्राहिम निवासी सुल्तानपुर थाना घोसी जनपद मऊ को सीएचसी से यहां लाया गया। सभी की हालत गंभीर थी। जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद सभी को लखनऊ रेफर किया गया है।

पुरुष वर्ग में आयुष गोठवाल एवं महिला वर्ग में गोल्डी यादव रही चैंपियन

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जनपद के मिल्कीपुर स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की 31वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने कहा कि, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग होता है, इसलिए छात्र–छात्राएं ज्यादा से ज्यादा खेलें। शिक्षा के साथ ही खेल जरूरी है। प्रतियोगिता में चौंपियन रहे छात्र आयुष कुमार गोड़वाल ने अपनी सफलता पर कहा कि, इसका पूरा श्रेय कुलपति को जाता है, जिनके कुशल मार्गदर्शन, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं समर्पण से ही यह खुशी के क्षण हम सब छात्रों के जीवन में आ सका। एथलेटिक प्रेसिडेंट डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि, तीन दिवसीय खेलकूद समारोह में सर्वाधिक अंक पाकर ब्लू हाउस चौंपियन रहा। पुरुष वर्ग में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर आयुष कुमार गोठवाल एवं महिला वर्ग में गोल्डी यादव विश्वविद्यालय चौंपियन रहे। समापन समारोह का मुख्य आकर्षण विश्वविद्यालय के छात्र एवं स्टाफ तथा महिला अध्यापक एवं छात्राओं के बीच रस्साकशी, विश्वविद्यालय के छः हाउसो द्वारा प्रस्तुत की गई मार्चपास्ट एवं विभिन्न खेलों का आयोजन रहा। प्रतियोगिता में महिला वर्ग के लांग जंप की प्रथम अनुष्का सिंह, द्वितीय शिवानी यादव, तृतीय गोल्डी यादव, डिस्कस थ्रो प्रथम गोल्डी यादव ,द्वितीय विष्णु प्रिया, तृतीय प्रिया दीक्षित, 400 मीटर रेस प्रथम गोल्डी यादव, द्वितीय नीरज यादव, तृतीय रुचि पटेल, जैवलिन थ्रो प्रथम नंदिनी सिंह, द्वितीय विष्णु प्रिया, तृतीय मुस्कान सिंह, हाई जंप प्रथम अनुष्का सिंह, द्वितीय अनीता यादव, तृतीय शिवानी यादव, हैमर थ्रो प्रथम प्रियंका, द्वितीय प्रिया दीक्षित, तृतीय प्रिया मिश्रा, रही। पुरुष वर्ग में लांग जंप प्रथम अभिषेक मिश्रा, द्वितीय श्याम सिंह तृतीय प्रियांशु द्विवेदी, डिस्कस थ्रो प्रथम श्याम सिंह, द्वितीय प्रदीप यादव, तृतीय आयुष कुमार गोठवाल ,400 मीटर रेस संतोष निषाद प्रथम, दि्बगविजय द्वितीय ,संतोष कुमार पटेल तृतीय, जेवलिन थ्रो अजय कुमार वर्मा प्रथम, संतोष कुमार द्वितीय ,शुभम यादव तृतीय , हाई जंप वैभव सिंह प्रथम, अभिषेक मिश्रा द्वितीय , शिवम अवस्थी तृतीय, 5000 मीटर रेस धीरेंद्र शुक्ला प्रथम, राहुल द्वितीय, राणा दुबे तृतीय, हैमर थ्रो आयुष गोठवाल प्रथम, विजय कुमार द्वितीय, अश्विनी कुमार तृतीय तथा 800 मीटर रेस में शिवम प्रथम, विवेक द्वितीय, सूरज कुमार तृतीय रहे।

झांसा देकर कार सवार दो युवक दो गैस सिलेंडर लेकर हुए फरार

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जनपद के मिल्कीपुर के इनायत नगर थाना क्षेत्र के रनापुर गांव निवासी गैस वितरक को झांसा देकर वैगनआर सवार दो युवकों द्वारा गैस भरा भारत कंपनी के 2 सिलेंडर लेकर फरार हो गए।घटना के बाद पीड़ित गैस वितरक ने इनायत नगर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार की है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत रनापुर अंतर्गत दुलार का पुरवा निवासी देशराज पुत्र राजकरण ने इनायत नगर पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 96950 94105 से कॉल किया और कहा कि मुझे दो गैस सिलेंडर की सख्त जरूरत है और मैं सरियावा पुलिया के पास खड़ा हूं। फोन करने वाले व्यक्ति के झांसे में आकर देशराज गैस भरा हुआ 2 सिलेंडर लेकर मौके पर पहुंच गए। जब 2 सिलेंडर फोन करने वाले युवकों के पास लेकर देशराज पहुंचे तब दोनों युवकों ने कहा कि हमें अपनी वैगनआर गाड़ी में गैस डालनी है, इसमें निप्पल खोलने के लिए प्लास की जरूरत है। दोनों युवकों ने कहा कि, आप कहीं से प्लास ला दो। युवकों की परेशानी देख देशराज प्लाश लाने चला गया और जब लौट कर वापस पुलिया के पास पहुंचा तो देखा कि वैग्नार गाड़ी सवार दोनों युवक उसके दोनों गैस सिलेंडर लेकर मौके से फरार हो चुके हैं। इसके बाद गैस वितरक युवक के होश उड़ गए और वह सीधे इनायत नगर थाने पहुंचा तथा मामले में कार्रवाई की गुहार करते हुए इनायत नगर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है।

सर्किल के तीनों थानों में महिला हेल्प डेस्क पर अब तक आये कुल 128 मामले : 27 में पुलिस ने लिया एक्शन

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)महिला उत्पीड़न के मामलों में तत्काल फरियाद सुनने और कार्रवाई के लिए मिशन शक्ति के अंतर्गत जनपद के प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क स्थापित कराई गई हैं। महिला हेल्प डेस्क पर सुनवाई भी बड़े पैमाने पर की जा रही है। महिला हेल्प डेस्क पर घरेलू उत्पीड़न के मामले ज्यादा आ रहे हैं।जिले के मिल्कीपुर सर्किल के तीनों थानों में एक जनवरी 2022 से अब तक कुल 128 मामले आए जिनमें से 27 मामलों में कार्रवाई की गई है।जिसमें 91 मामलों दोनों पक्षों ने सुलह समझौता कर लिया है।वही थाना कोतवाली इनायतनगर में महिला हेल्प डेस्क पर कुल 83 मामले आए जिनमें 28 मामलों में कार्रवाई की गई है, तथा शेष मामलों में सुलह समझौता करते हुए निस्तारण करा दिया गया है।जबकि थाना कुमारगंज की महिला हेल्प डेस्क पर कुल 30 मामले आए जिसमें सात मामलों में कार्रवाई की गई है तथा 23 मामले का निस्तारण दोनों पक्षों को बुलाकर करा दिया गया है।वहीं, खंडासा थाना में महिला हेल्प डेस्क पर एक जनवरी से अब तक कुल 15 शिकायती प्रार्थना पत्र मिले थे जिनमें से 2 शिकायती प्रार्थना पत्रों में कार्रवाई की गई तथा शेष मामले का निस्तारण मौके पर ही करा दिया गया। त्वरित निस्तारण के मामले में खंडासा थाने की स्थिति सबसे ठीक रही।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली इनायतनगर अमरजीत सिंह ने बताया कि डेस्क पर महिला सिपाहियों की ड्यूटी लगाई जाती है। घरेलू हिंसा या फिर उत्पीड़न की शिकार महिला को डेस्क पर भेजा जा जाता है। वहां से संबंधी शिकायत को तत्काल उस क्षेत्र के दारोगा को ट्रांसफर कर दिया जाता है। महिला ने जिस पर उत्पीड़न व मारपीट का आरोप लगाती है उसको हिरासत में लेकर पूछताछ करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

अन्तर्जनपदीय शातिर चोर गैंग लीडर अमित तिवारी सहित 06 अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। पुलिस का सराहनीय कार्य लगातार जारी है इसीक्रम में आज कोतवाली नगर की पुलिस ने अंतर्जनपदीय चोर गैंग के सरगना सहित 6 लोगो को गिरफ्तार कर लिया । इस गैंग के लोग शहर की कॉलोनियों में घूम घूम कर जिन मकानों में ताला लगा होता था उसकी रेकी करते थे ,और रात को नकाब लगाकर चोरी करते थे। पुलिस को सुचना मिलते ही आज सुबह करीब 8 बजे अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ किये जाने पर सभी ने अपना जुर्म कबूल किया है ।एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि आज कोतवाली नगर की पुलिस के द्वारा इस शातिर गैंग को पकड़ा गया है जो रात को नकाब लगाकर चोरी को अंजाम देते थे। गैंग के सरगना

सहित सभी अपराधी गोंडा जनपद के रहने वाले है । सभी अभियुक्तों का पुराना आपराधिक है। पुलिस के इस सराहनीय कार्य के लिए 20 हजार का नकद पुरस्कार भी दिया जा रहा है।

उपखंड समिति विराम खंड,विनय खंड,विनीत खंड,विराज खंड,विकास खंड, विराट खंड लखनऊ की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महासमिति की उपखंड समिति विराम खंड,विनय खंड,विनीत खंड,विराज खंड,विकास खंड,विराट खंड, की बैठक आहुत की गई थी। इस बैठक में सभी 6 खंड की वार्ड प्रभारी खंड प्रभारी अध्यक्ष,सचिव,कोषाध्यक्ष ने अपने अपने खंड की मुख्य समस्याओं से महासमिति को अवगत कराया और महासमिति ने सभी को आश्वासन दिया है जिन लोगो ने लिखित में समस्याओं से अवगत कराया है उनको निराकरण कराने का प्रयास किया जायेगा एवं जिन्होंने अपनी समस्या को मौखिक उल्लेख किया है उनसे लिखित में देने का अनुरोध किया गया है। इस कार्यक्रम में महासमिति के अध्यक्ष डॉ प्रो बीएन सिंह,महासचिव राघवेंद्र शुक्ल ,सचिव सीजी नायर , संगठन सचिव अरुण कुमार , क्रीड़ा सचिव नंदिनी मिश्रा , सांस्कृतिक सचिव राम दयाल मौर्य ,धर्म जागरण प्रमुख मनोज मिश्रा, महासमिति प्रचार

सचिव अजय तिवारी ,महिला वार्ड प्रभारी विरामखंड प्रतिभा शाही , अध्यक्ष विराम 3 एस.के शर्मा जी,सचिव अभय रूपवार, लक्ष्मी धामी ,रोहित सिंह ,सुशील तिवारी , ओ.पी दीक्षित , बीएस सिसोदिया, डॉ चित्रा सक्सेना, डॉ भरत राज सिंह,सुरेश कुमार शर्मा ,राजेश श्रीवास्तव ,नंदलाल चौबे,जय प्रकाश जी एवम उल्लेखित सभी खंडों खंड प्रभारी, अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सम्मिलित रहे।

इस्लाम में आतंकवाद की भी शिक्षा दी जाती है : हिंदू देव प्रकाश शुक्ला

आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि इस्लाम में आतंकवाद की भी शिक्षा दी जाती है। राष्ट्रीय युवा वाहिनी की बेहमा सीतापुर में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला मुख्य अतिथि रहे। साथ में राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सनातनी दीदी रोशनी शुक्ला भी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष संकेत वर्मा प्रदेश प्रवक्ता मुकेश मिश्रा प्रदेश सचिव अमित शुक्ला मंडल सचिव आशीष अवस्थी, अनिल शुक्ला संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष देव प्रकाश शुक्ला ने सनातन धर्म के लिए तन मन धन से अर्पण रहने का प्रण दिलाया और बताया सनातन ही एक धर्म है बाकी दूसरा कोई धर्म नहीं हिंदू भाई केवल अपने धर्म पर ही विश्वास रखें किसी मजार किसी चर्च पर विश्वास न रखें। प्रदेश प्रवक्ता मुकेश मिश्रा जी ने हिन्दुओं को एक जुट रहने वा भारत माता को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाने की मांग की। अमित शुक्ला जी ने गो सेवा करने का प्रण लिया। बैठक में नव नियुक्त जिला उपाध्यक्ष सीतापुर संतोष सिंह जिला संयोजक अमरीश मिश्रा तहसील अध्यक्ष सिधौली कमल सोनी भी उपस्थित रहे। बैठक

में मयंक शुक्ला रामस्वरूप तहसील प्रभारी विजय कुमार सिंह शिल्पी राज शिवप्रसाद निगम अर्जुन मिश्रा राहुल मिश्रा अनूप मिश्रा देवेंद्र श्रीवास्तव हर्ष रस्तोगी मोन सिंह प्रधान प्रतिनिधि वीरू गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक में वह गांव के शिवकुमार शुक्ला जी भी उपस्थित रहे और सभी को अपना आशीर्वाद दिया।

लखनऊ मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज सूर्यनगर में बच्चों व उनकी माताओं का किया गया सम्मान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। लखनऊ मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज सूर्य नगर राजाजीपुरम में बच्चों और उनकी माताओं को विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीश राजा उपस्थित रहे। एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित सपा छात्र सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी की उत्तर विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी पूजा शुक्ला, विद्यालय प्रबंधक अवधेश सिंह, विद्यालय के चेयरमैन एवं मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के प्रदेश सचिव डॉक्टर अमित सिंह, सीबीएसई बोर्ड बाराबंकी जिले के कोऑर्डिनेटर आर पी सिंह ,पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय सूर्य नगर राजाजीपुरम के प्रोफेसर बी बी सिंह ,प्रिंसिपल श्रीमती वेनिका शर्मा ने छात्र–छात्राओं एवं उनकी माताओं एवं अभिभावकों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

विद्यालय के छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सैकड़ों अभिभावक एवं समाजसेवी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

इंस्पेक्टर आलोक राय ने अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ में अपराध की रोकथाम व अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु डी0के0 ठाकुर, पुलिस आयुक्त लखनऊ के द्वारा चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सुश्री अपर्णा रजत कौशिक, पुलिस उपायुक्त मध्यलखनऊ, राघवेन्द्र मिश्र, अपर पुलिस उपायुक्त मध्य लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण एवं पंकज कुमार श्रीवास्तव, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर लखनऊ के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर आलोक राय के नेतृत्व में गठित थाना कृष्णानगर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर दर्ज चोरी के मुकदमे में नामित अभियुक्ता 01. जेसमीन खातून क्ध्द जावेद अली निवासी खबलार भिन्टा बनबहा बरपेटा आसाम व हाल पता भजीक का प्लाट जयप्रकाश नगर थाना कृष्णानगर उम्र 19 वर्ष मय चोरी के माल सहित जय प्रकाशनगर चौराहे के पास स्थित सजना फुट वियर की शॉप के पास से गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। एक अदद चैन

पीली धातु, एक अदद अंगूठी पीली धातु,दो अदद कान के टप्स पीली धातु ,एक अदद अंगूठी सफेद धातु, 1500 रुपये नगद बरामद किए।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सन्दीप कुमार शर्मा, कांस्टेबल सत्यप्रकाश सिंह, महिला कांस्टेबल रेखा सोनकर, महिला कांस्टेबल रजनी देवी आदि शामिल रहे।

मतदान को लेकर लोगों में कम दिखा उत्साह : रुक रुक कर शाम तक आते रहे मतदाता

जौनपुर/शाहगंज पत्रकार धनन्जय विश्वकर्मा : विधानसभा चुनाव 2022 मे लोगों का उत्साह नहीं देखने को मिला, कई मतदान केंद्रों पर तो लंबी लाइन ही नहीं लग सकी,तो कई पोलिंग बूथ पर मतदाताओं का पर आने का सिलसिला शाम तक जारी रहा। कहीं पार्टी के झंडा तो कहीं अराजकता फैलाने पर अर्ध सैनिकों द्वारा लोगों को खदेड़ कर पोलिंग बूथ से दूर भगाया गया। विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर लगातार कई समिति तथा कई संस्थान मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया लेकिन आज के विधानसभा चुनाव को देख कर ऐसा लगा कि मतदाता जागरूकता अभियान पहल पूरी तरीके से विफल हो गया। बड़ी–बड़ी समितियां ने कहीं वाद विवाद प्रतियोगिता ,मेहंदी प्रतियोगिता जैसे विभिन्न तरीके अपनाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया इसके बाद भी जौनपुर में विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का प्रतिशत अधिक बढ़ोतरी देखने को नहीं मिला। ग्राम पंचायत काफरपूर प्राथमिक विद्यालय पर दोपहर दो पार्टी के समर्थकों में झंडा को लेकर झड़प हो गया इस बीच ग्रामीणों ने बीच–बचाव कर दोनों पार्टी के समर्थकों को शांत करा दिया इतना ही नहीं ग्राम पंचायत मनवल में पोलिंग बूथ के पास शरारती तत्वों द्वारा अराजकता फैलाने पर मौके पर तैनात अर्धसैनिक बल ने कार्रवाई करते हुए कईयों को खदेड़ कर पोलिंग बूथ से दूर भगा दिया और किसी तरीके से विधानसभा चुनाव

संपन्न कराया, वहीं ग्राम पंचायत जपटापुर बड़ऊर, अतरौरा,लपरी,कोठवार प्रेमापुर,समेत कई ग्राम पंचायतों में शांतिपूर्ण ढंग से विधानसभा चुनाव कराया गया। विधानसभा चुनाव में नहीं काम आया मतदाता जागरूकता अभियान विधानसभा चुनाव को लेकर जहां पार्टियां जनसंपर्क कर रही थी तो दूसरी तरफ लगातार समितियों द्वारा अभियान चलाकर घर–घर जाकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान में भाग लेने के लिए जागरूक किया जा रहा था कहीं नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम तो कहीं बाइक रैली निकालकर तो कहीं नारे लगाकर लोगों को मतदान में बढ़–चढ़कर भाग लेने के लिए संदेश दिया गया। लेकिन विधानसभा चुनाव के दिन कोई भी अभियान काम नहीं आया मतदाताओं में चुनाव को लेकर उत्साह देखने को नहीं मिला।

जौनपुर में ग्रामीणों ने किया वोट का बहिष्कार, सीओ बोले– दबा सकते हैं नोटा का बटन

जौनपुर ब्यूरो : यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम सातवें चरण में जौनपुर की नौ सीटों पर आज मतदान जारी है। दोपहर 12 बजे तक 26 फीसद से ज्यादा तक मतदान हो चुका था। मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र के चतुर्भुजपुर गांव के ग्रामीणों ने गांव का विकास न होने से वोट का बहिष्कार कर दिया। मतदान बहिष्कार सूचना पर जौनपुर जिला–प्रशासन सकते में आ गया। एसडीएम अर्चना ओझा, सीओ एसपी उपाध्याय पुलिस फोर्स के साथे गांव पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया। सीओ ने कहा कि अगर आप किसी को अपना नोट नहीं देना चाहते हैं तो आपके पास एक ऑप्शन है। आप नोटा का बटन दबा सकते हैं। जिसके बाद मतदाता बूथ तक पहुंचे। मतदाताओं का कहना है कि हरद्वारी न्याय पंचायत के चतुर्भुजपुर गांव में बरसात के दिनों में सड़क पर पानी भर जाने से रास्ता अवरुद्ध हो जाता है। इसके साथ ही गांव में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। एसडीएम ने बताया कि गांव के लोग मतदान नहीं कर रहे थे, उन्हें समझाया गया तो वे लोग नोटा पर वोट देने के लिए राजी हुए और अब मतदान हो रहा है। एक मंत्री, दो पूर्व मंत्री और तीन पूर्व सांसद मैदान में एसडीएम ने बताया कि करीब 30–35 मत पड़ने के बाद लोगों मतदान बहिष्कार किया था। जौनपुर में कुल 2145 मतदान केंद्रों पर 3948 मतदेय स्थलों पर कुल 3510929 मतदाता अपना विधायक चुन रहे हैं। जौनपुर से प्रदेश सरकार के एक मंत्री, दो पूर्व मंत्री व तीन पूर्व सांसद चुनाव मैदान में हैं। जिले में जौनपुर सदर, मल्हनी, शाहगंज, केराकत (सु.), जफराबाद, मड़ियाहूं, मछलीशहर (सु), मुंगराबादशाहपुर और बदलापुर में मतदान चल रहा है। जगह–जगह गड़बड़ी की मिलती रही शिकायतें

जौनपुर की मल्हनी विधानसभा क्षेत्र जनपद ही नहीं प्रदेश का सबसे संवेदनशील क्षेत्र की श्रेणी में है। कड़ी सपरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ तो वोटरों में खासा उत्साह देखा गया। कई आदर्श मतदान केंद्रों को गुब्बारे व झंडियों से सजाने के साथ वोटरों को लुभाने के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं। जहां वोट देकर मतदाता अमिट स्याही लगी ऊंगली को दिखाते हुए सेल्फी लेना नहीं भूले। वही कुछ केंद्रों पर कतिपय लोगों द्वारा ईवीएम का बटन दबाने की शिकायत मिली जिसे प्रशासन द्वारा निराधार बताया गया। कई जगह ईवीएम पर फेवीक्विक डालने की भी अफवाह उड़ी। जिलाधिकारी मनीष वर्मा और एसपी मुकेश साहनी भारी भरकम काफिले के साथ चक्रमण कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कुछ जगह शिकायते मिलीं जिनकी जांच कराई गई तो निराधार साबित हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों तथा गड़बड़ी पैदा करने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पकड़ में आया तेंदुआ छोड़ गया बड़े सवाल : विभाग के पास नहीं ठोस जवाब

मेरठ ब्यूरो : शहर की पॉश कॉलोनी पल्लवपुरम फेज–2 में शुक्रवार की सुबह घुसा तेंदुआ पकड़ने के बाद भले ही शिवालिक के जंगलों में छोड़ दिया गया हो पर पूरे सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। तेंदुआ कहां से आया इस सवाल का भी कोई ठोस जवाब विभाग के नहीं है। मेरठ में एक बार अंतरराष्ट्रीय शूटर प्रशांत विश्नोई के यहां बड़े पैमाने पर वन्य जीवों की खाल मिली थी। इससे यह भी आशंका जताई जा रही है कि तेंदुओं की आमद से तस्करों का भी लिंक हो सकता है। शहर में पहले भी कई तेंदुए आए पर वन विभाग के पास स्थानीय स्तर पर न बेहतर ट्रैंकुलाइजर गन है और न ही विशेषज्ञ पहले मेरठ में 2014 में सदर क्षेत्र में लकडी की टाल में तेंदुआ मिला था उस समय भी यह माना जा रहा था की लकडी के ट्रक पर भी आ सकता है। 2016 में मेरठ कैंट इलाके में फिर से तेंदुआ आया पर कैसे आया इसका ठीक से पता नहीं लगाया गया। तेंदुए का नाम आते ही लगता है डर : तेंदुआ शुक्रवार को पल्लवपुरम फेज के दो क्यू पाकेट में आभा शर्मा के घर में घुसा था। आभा कहती हैं कि भगवान करे अब कभी तेंदुआ यहां न आए। बढ़ रही तेंदुओं की संख्या, देश में 14 हजार तेंदुए दिसंबर 2021 में जारी हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2018 में देश में 12852 तेंदुए मौजूद थे। मध्य प्रदेश तेंदुए की आबादी में देश में पहले स्थान पर है। यहां 3421 तेंदुए हैं। कर्नाटक में 1783, महाराष्ट्र में

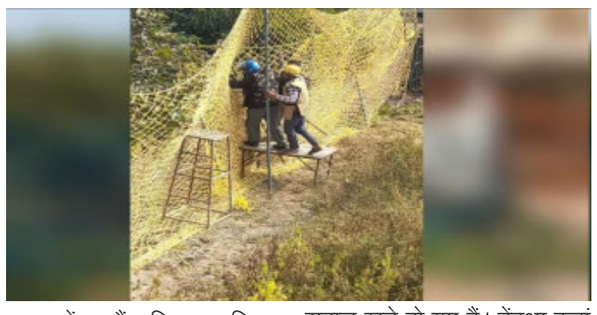

1690 तेंदुए हैं। हिमालय स्थित शिवालिक की पहाड़ियों और गंगा के मैदानी इलाकों में साढ़े 12 सौ से ज्यादा तेंदुए हैं। बेवजह इंसान पर हमला नहीं करता तेंदुआ वन्य जीव विशेषज्ञ जीएस खुशालिया बताते हैं कि तेंदुए किसी भी तरह के माहौल में खुद को ढालने में सक्षम होते हैं इसलिए इनकी आबादी देश के कमोबेश सभी इलाके में पाई जाती है। ये अपनी इस खूबी की वजह से इंसानी आबादी वाले इलाकों में भी रह लेते हैं। तेंदुए की संख्या बढ़ना बेहद अच्छी बात है। इस वजह से उसका मूवमेंट भी बढ़ रहा है। अगर वह कहीं दिखता है तो वहां से हट जाएं। वन विभाग के अफसरों को जानकारी दें। तेंदुआ बेवजह इंसानों पर हमला नहीं करता है। शहर की पॉश कॉलोनी पल्लवपुरम फेज–2 में शुक्रवार की सुबह घुसा तेंदुआ पकड़ने के बाद भले ही शिवालिक के जंगलों में छोड़ दिया गया हो पर पूरे सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। तेंदुआ कहां से आया इस सवाल का भी कोई ठोस जवाब विभाग के नहीं है। मेरठ में एक बार अंतरराष्ट्रीय शूटर प्रशांत विश्नोई के यहां बड़े पैमाने पर वन्य जीवों की खाल मिली थी। इससे यह भी आशंका जताई जा रही है कि तेंदुओं की आमद से तस्करों का भी लिंक हो सकता है। शहर में पहले भी कई तेंदुए आए पर वन विभाग के पास स्थानीय स्तर पर न बेहतर ट्रैंकुलाइजर गन है और न ही विशेषज्ञ पहले मेरठ में 2014 में सदर क्षेत्र में लकडी की टाल में तेंदुआ मिला था उस समय भी यह माना जा रहा था की लकडी के ट्रक पर भी आ सकता है। 2016 में मेरठ कैंट इलाके में फिर से तेंदुआ आया पर कैसे आया इसका ठीक से पता नहीं लगाया गया। तेंदुए का नाम आते ही लगता है डर : तेंदुआ शुक्रवार को पल्लवपुरम फेज के दो क्यू पाकेट में आभा शर्मा के घर में घुसा था। आभा कहती हैं कि भगवान करे अब कभी तेंदुआ यहां न आए।

जनपद जौनपुर में बूथ परिसर पर बने सेल्फी प्वाइंट हुए बेमतलब साबित

जौनपुर/शाहगंज पत्रकार धनन्जय विश्वकर्मा : एक तरफ बूथ के बाहर बने सेल्फी स्टैंड पर भीड़ दिखी, वहीं दूसरी तरफ बूथ परिसर में प्रशासन द्वारा बनाए गए सेल्फी स्टैंड बेमतलब नजर आए। दरअसल मतदान केंद्र पर मोबाइल और कैमरा ले जाने की सख्त मनाही थी। ऐसे में परिसर के भीतर

सेल्फी स्टैंड बनाने का प्रयोजन समझ से बाहर रहा। ग्राम नटौली स्थित आदर्श प्राथमिक विद्यालय और भरौली जमदानीपुर स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय जैसे बूथों में प्रशासन ने प्रतिबंधित परिसर में सेल्फी स्टैंड लगाया हुआ था। मतदान करने के बाद मतदाताओं ने जमकर सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर अपलोड किया। नगर के तमाम बूथों के बाहर सामाजिक संस्थाओं और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए सेल्फी स्टैंड लगा रखे थे। वोट डालने के बाद लौटते वक्त युवाओं और महिलाओं ने इन सेल्फी स्टैंड पर खड़े होकर सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर अपलोड किया।

चुनाव ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मियों के परिजनों को विशेष मुआवजा : 15 लाख और असाधारण पेंशन

लखनऊ ब्यूरो : चुनाव ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले मतदान कर्मियों की मौत पर विशेष मुआवजा दिया जाएगा। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि कर्मी की हादसे या सामान्य मौत पर संबंधित के परिजन को 15 लाख रुपये और असाधारण पेंशन दिया जाएगा। यदि किसी की मौत कोरोना के कारण, हिंसा, रोड माइन ब्लास्ट, या किसी हथियार से हुए हमले में होती है तो परिजन को 30 लाख रुपये दिए जाएंगे। इस बार के चुनाव ड्यूटी के दौरान अब तक आधा दर्जन से अधिक मतदान कर्मियों की मौत हो चुकी है। बस्ती में सड़क हादसे में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल के तीन जवान की जान गई। इसी तरह सोनभद्र में चुनाव ड्यूटी पर पुलिस जवानों को लेकर जा रही बस खाई में गिर गई। इसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। औरैय्या में भी एक सिपाही की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। एक अन्य मतदान कर्मी की मौत बरेली में हुए सड़क हादसे में हुई।

रोहतास ग्रुप पर सीबीआई का शिकंजा : दो एफआईआर दर्ज: सवा नौ करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में कार्रवाई

लखनऊ ब्यूरो : सवा नौ करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में सीबीआई ने रोहतास ग्रुप के प्रमोटर्स के खिलाफ दो अलग–अलग एफआईआर दर्ज की हैं। आईडीबीआई बैंक के उप महाप्रबंधक अनुराग वर्मा की तहरीर के आधार पर दर्ज हुए केस में 10 को नामजद किया गया है। पहली एफआईआर में कहा गया कि 14 मार्च 2014 को आईडीबीआई बैंक ने रोहतास की कंपनी क्लेरियन प्रोजक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए पांच करोड़ का लोन स्वीकृत किया। यह विभूतिखंड में 23,934 वर्गफीट जमीन के आधार पर दिया गया। कर्ज मांगने वालों ने बताया था कि जल्द एचडीएफसी बैंक से एनओसी लेकर दे देंगे, क्योंकि रोहतास ने प्रापर्टी पर वहां से भी लोन लिया था। यह एनओसी उस हिस्से के लिए लेनी थी, जिस पर आईडीबीआई ने लोन स्वीकृत किया था। 31 मार्च को क्लेरियन को लोन दे दिया गया। कुछ समय बाद कर्ज लेने वालों ने बैंक से अनुरोध किया कि लोन ग्रेटर नोएडा और गोमतीनगर के विभूति खंड स्थित दूसरी संपत्ति पर ट्रांसफर कर दिया जाए। बैंक ने इसे स्वीकार कर लिया। बाद में पता चला कि गोमतीनगर की संपत्ति बिल्डर ने पहले ही अखिलेश अग्रवाल को दे दी है। संपत्ति अग्रवाल के कब्जे में थी, पर पंजीकरण नहीं हुआ था। इस तरह से बैंक से फ्रॉड कर लोन लिया गया है। बैंक ने 23 दिसंबर 2019 को कर्ज लेने वालों को घपलेबाज घोषित कर दिया। इसी तरह विभूतिखंड स्थित इसी प्रापर्टी पर 4.25 करोड़ का लोन रोहतास की ही कंपनी हाइब्रिड फार्म इनपुट्स लिमिटेड और पांच अन्य सह कंपनियों के नाम स्वीकृत किया गया। 31 मार्च को इसका भी भुगतान कर दिया गया। बैंक की जांच में सामने आया कि जो संपत्ति बैंक के पास गिरवी रखकर लोन लिया गया था, उसे पहले ही बेचा जा चुका था। सीबीआई ने हाइड्रिक फार्म इनपुट लिमिटेड के निदेशक दीपक रस्तोगी, पीयूष रस्तोगी, पंकज रस्तोगी, परेश रस्तोगी को नामजद किया है। हाइड्रिक फार्म इनपुट्स, रोहतास प्रोजक्ट लिमिटेड, फोरटेक बायो साइंस प्राइवेट लिमिटेड, एंड्स टाउन प्लानर, क्लेरियन प्रोजक्ट प्राइवेट लिमिटेड, रोहतास इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड व बैंक कर्मियों को आरोपी बनाया है।

दिल्ली–देहरादून हाईवे पर आग का गोला बन गई कार

मंसूरपुर ब्यूरो : दिल्ली–देहरादून हाईवे पर गांव खानूपुर के पास मेरठ से मुजफ्फरनगर की ओर जा रही कार में अचानक आग लग गई। कार सवार चाचा–भतीजे ने किसी तरह कूदकर जान बचाई। दमकल विभाग ने किसी तरह आग पर काबू पाया। दिल्ली के रोहिणी निवासी प्रमोद कुमार पुत्र मंगल ने बताया कि वह अपने चाचा भारत भूषण के साथ मेरठ से कार में सवार

होकर मुजफ्फरनगर अपनी मौसी के यहां जा रहे थे। रात करीब साढ़े आठ बजे जैसे ही वह नेशनल हाईवे पर गांव खानूपुर के पास पहुंचे तो कार के बोनट से उन्होंने धुआं निकलता देखा। वह तुरंत कार को एक साइड में रोककर नीचे उतर गए। इसी दौरान अचानक कार में आग लग गई। हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर किसी तरह काबू पाया। थाना प्रभारी सुशील कुमार सैनी ने बताया कि कार चालक था उसका चाचा दोनों सुरक्षित हैं। कार में सीएनजी की किट लगी हुई है। शार्ट सर्किट से कार में आग लगी है। कार मालिक ने घटना की तहरीर दे दी है।

अंबेडकर पार्क स्मारक समिति: पीएफ फंड गबन में सात आरोपी पकड़े : पुलिस ने दिल्ली व लखनऊ में की छापेमारी

लखनऊ ब्यूरो : अंबेडकर पार्क स्मारक समिति के 6500 कर्मचारियों के पीएफ के 10 करोड़ रुपये के गबन मामले में गोमतीनगर पुलिस ने दिल्ली व लखनऊ में विभिन्न स्थानों पर छापा मारकर सात आरोपियों को हिरासत में लिया है। नोएडा व दिल्ली से इनको लखनऊ लाया जा रहा है। इनमें स्मारक समिति का लेखाकार संजय सिंह, समिति का लेखाकार बन खाते खुलवाने वाले आरोपी कृष्णमोहन श्रीवास्तव समेत सात आरोपी शामिल हैं। गबन कराने में शामिल बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर नागेंद्र पाल से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। अंबेडकर पार्क स्मारक समिति के मुख्य प्रबंधक और एलडीए सचिव पवन गंगवार ने 16 सितंबर 2021 को बैंक ऑफ बड़ौदा की रोशनाबाद शाखा के प्रबंधक नागेंद्र पाल, कृष्ण मोहन श्रीवास्तव व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ गोमतीनगर थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि जाली दस्तावेजों का उपयोग करके और शाखा प्रबंधक की मिलीभगत से समिति की राशि व्यक्तिगत खाते में जमा करा दी गई है। समिति ने तीन साल एक महीने की एफडी कराने के लिए 31 मार्च को बैंक की रोशनाबाद शाखा में 48 करोड़ रुपये जमा कराए थे। बैंक ने 28 मई 2021 तक सिर्फ 38 करोड़ रुपये की एफडी के ही प्रपत्र समिति को उपलब्ध कराए थे। इस पर छानबीन में मामला पकड़ में आ गया था। पता चला कि पांच अप्रैल को समिति की बैठक का हवाला देते हुए एक बचत खाता खोलने के निर्णय का बैंक को पत्र भेजा गया। एलडीए सचिव व मुख्य प्रबंधक पवन गंगवार के साथ समिति के प्रबंधक वित्त देवेंद्र मणि उपाध्याय के जाली हस्ताक्षर भी इसमें किए गए थे। पत्र में समिति के सहायक लेखाकार कृष्णमोहन श्रीवास्तव को अधिकृत दिखाया गया। बैंक खाते से नया ई–मेल एड्रेस व मोबाइल नंबर भी लिंक करा दिया गया। जबकि कृष्णमोहन नाम का समिति में कोई कर्मचारी ही नहीं है। न ही पत्र में पांच अप्रैल को समिति की किसी बैठक का जिक्र था। इन सबके चलते मुख्य प्रबंधक ने बैंक के शाखा प्रबंधक पर ही साठगांठ कर गबन का आरोप लगाया। एफआईआर में कथित कृष्णमोहन श्रीवास्तव को भी नामजद किया गया है। पांच महीने से चल रही जांच, अब कार्रवाई शुरू एफआईआर के बाद से इस मामले की छानबीन कर रही गोमतीनगर पुलिस ने शनिवार को दिल्ली से समिति के लेखाकार संजय सिंह, आरोपी कृष्णमोहन श्रीवास्तव व पांच अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। पता चला है कि समिति के बैंक खाते से रकम राइट पे नामक फर्जी कंपनी में ट्रांसफर की गई थी। इस कंपनी के एक उच्चाधिकारी को गोमतीनगर पुलिस ने दिल्ली से दबोच लिया है। इसी कंपनी से जुड़े दो अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। गोमतीनगर इंस्पेक्टर केशव कुमार तिवारी ने बताया कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। ये था मामला एलडीए ने अंबेडकर पार्क स्मारक समिति के लगभग 6500 संविदा कर्मियों के ईपीएफ के 48 करोड़ रुपये की रकम बैंक ऑफ बड़ौदा में जमा कराई गई थी। इससे छोटी–छोटी रकम की एफडी होनी थी। बैंक ऑफ बड़ौदा ने फर्जी तरीके से एक व्यक्ति को नामित करके नादान महल रोड स्थित बैंक की छोटी शाखा में इस रकम का निवेश कर दिया, जिसे बाद में साठगांठ से प्राइवेट बैंक में ट्रांसफर कर दिया गया था। एलडीए को इसकी भनक लगते ही 38 करोड़ रुपये बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते में वापस मंगा लिए गए थे। सहायक प्रबंधक (वित्त) देवेंद्र मणि उपाध्याय ने समय पर घोटाले की जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं दी थी। इसके कागजातों पर समिति के मुख्य प्रबंधक और सहायक प्रबंधक वित्त के संयुक्त हस्ताक्षर थे। मगर पत्रों एवं हस्ताक्षर का सत्यापन नहीं कराया गया था। इस रकम के 10 करोड़ रुपये आज तक रिकवर नहीं हो सके हैं। मामले में एलडीए उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने समिति के सहायक प्रबंधक (वित्त) देवेंद्र मणि उपाध्याय को निलंबित कर दिया था। देवेंद्र अभी निलंबित ही चल रहे हैं।

सातवें द्वार पर घिरे कई दिग्गज: कई मंत्रियों पूर्व मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर : सत्तापक्ष व विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व ने झोंकी ताकत

लखनऊ ब्यूरो : सातवें द्वार के चक्रव्यूह को कौन भेदेगा, इस सवाल को लेकर सबके मन में उत्सुकता तो है ही, वहीं इस द्वार पर घिरे दिग्गजों पर भी सबकी नजरें हैं। महारथियों के साथ ही सेनापतियों की साख भी कसौटी पर है। जोर–आजमाइश चल रही है। किसका कितना रंग चढ़ा, ये तो 10 मार्च को पता चलेगा, पर इतना तो स्पष्ट है कि मुकाबला बेहद मजेदार और रोमांचक है। आजमगढ़ के किले में सेनापति अखिलेश का होगा इम्तिहान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आजमगढ़ के सांसद हैं। ऐसे में यहां उनका भी इम्तिहान होगा। जिले की 10 विधानसभा सीटों में पांच पर सपा, चार पर बसपा और एक पर भाजपा काबिज है। बदले समीकरण में फूलपुर पवई के भाजपा विधायक अरुणकांत यादव चुनाव मैदान से बाहर हैं। यहां उनके पिता बाहुबली पूर्व सांसद रमाकांत यादव सपा के टिकट पर मैदान में हैं। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के सामने भाजपा के टिकट पर ताल ठोकने वाले पूर्व सांसद रमाकांत यादव अब विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने बसपा ने शकील अहमद तो भाजपा ने रामसूरत को मैदान में उतारा है। दुर्गा के सामने दुर्ग बचाए रखने की चुनौती आजमगढ़ सदर से आठ बार विधायक रहे पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव के सामने भी अपना गढ़ बचाए रखने की चुनौती है। उनके सामने बसपा ने सुशील कुमार सिंह और भाजपा ने अखिलेश कुमार मिश्रा को मैदान में उतारा कर विजय रथ रोकने की पुख्ता रणनीति अपनाई है। इसी तरह मेहनगर में सपा ने विधायक कल्पनाथ पासवान का टिकट काट कर पूजा को मैदान मे उतारा है। यहां बसपा ने पंकज कुमार और भाजपा ने मंजू सरोज को उतारा है। पूजा की हार जीत के आधार पर सपा के शीर्ष नेतृत्व के फैसले की भी अग्निपरीक्षा होगी। क्योंकि, कल्पनाथ का टिकट कटने के बाद सपा का एक खेमा विरोध में उतर गया था, जिसे मनाने की निरंतर कोशिश की गई। मल्हनी में मुलायम सिंह की साख की होगी परीक्षा जौनपुर की नौ में से चार सीट पर भाजपा, एक पर अपना दल, तीन पर सपा, एक पर बसपा का कब्जा रहा है। यहां की मल्हनी विधानसभा सीट पर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के शागिर्द पारसनाथ यादव के बेटे एवं सपा विधायक लकी यादव मैदान में हैं। उनके सामने जदयू से बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह ताल ठोक रहे हैं, तो भाजपा ने पूर्व सांसद केपी सिंह को मैदान में उतारा है। मुलायम सिंह करहल के बाद मल्हनी में जनसभा कर इस सीट को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है। वर्ष 2017 में भी उन्होंने जसवंतनगर और मल्हनी में जनसभा की थी। पीएम मोदी ने गिरीश यादव से जोड़ा खुद का मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जौनपुर सदर से भाजपा विधायक व राज्य मंत्री गिरीश यादव से खुद का मान जोड़ दिया है। यहां सपा ने पूर्व विधायक अरशद खां, कांग्रेस ने पूर्व विधायक नदीम जावेद और बसपा ने सलीम खान को मैदान में उतारा है। राज्यमंत्री खुद के विकास कार्यों और मोदी–योगी के नाम पर मैदान में डटे हुए हैं। दारा सिंह चौहान के सामने है चुनौती वन मंत्री रहे दारा सिंह चौहान ऐन मौके पर न सिर्फ दल बदल दिए, बल्कि अपनी विधानसभा क्षेत्र भी बदल दिया है। वह भाजपा के टिकट पर मऊ की मधुबन से विधायक बने थे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले वे सपा में आए और अब घोसी से चुनाव मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा ने विजय कुमार राजभर तो बसपा ने वसीम इकबाल को मैदान में उतारा है। दूसरी तरफ सपा के पुराने नेता भी बागी तेवर अपनाए हुए हैं। ऐसे मे दारा सिंह चौहान के सामने दोहरी चुनौती है। तो आगे बढेगा सुशील का कारवां चंदौली जिले की सैयदराजा सीट पर भाजपा ने बाहुबली बृजेश सिंह के भतीजे विधायक सुशील सिंह को मैदान में उतारा है। अब चौथी बार मैदान में हैं। यहां बसपा ने अमित कुमार यादव और सपा ने मनोज कुमार को मैदान में उतारकर सुशील के कारवां को रोकने की रणनीति बनाई है। लेकिन भाजपा के दिग्गज नेता सुशील के सहारे पूर्वांचल में अपनी धमक बनाए रखने की रणनीति पर कार्य कर रहे हैं। जेल से लगा रहे जी जान भदोही के बाहुबली चेहरों में शुमार ज्ञानपुर के विधायक विजय मिश्रा को इस बार निषाद पार्टी ने टिकट नहीं दिया। चार बार से विधायक विजय मिश्रा जेल से प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के टिकट से मैदान में हैं। यहां निषाद पार्टी ने विपुल दुबे, सपा ने रामकिशोर बिंद एवं बसपा ने उपेंद्र कुमार सिंह को मैदान में उतार दिया है। मोदी के क्षेत्र में तीन मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में तीन मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। यहां शिवपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अनिल राजभर को मैदान में उतारा है। इनके जरिए पूर्वांचल में राजभर वोटबैंक को सहेजने की कोशिश है। दूसरी तरफ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर भी मैदान में हैं। बसपा से रवि मौर्य मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं। इस सीट के जरिये यह संदेश जाएगा कि जातीय राजनीति की बिसात पर राजभर किसके साथ हैं। वाराणसी दक्षिण से भाजपा ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नीलकंठ तिवारी को मैदान में उतारा है। यहां सपा ने कामेश्वर दीक्षित और बसपा ने दिनेश कसौधन पर दांव लगाया है। इसी तरह वाराणसी उत्तरी से राज्यमंत्री रविंद्र जासवाल के सामने सपा ने अशफाक और बसपा ने श्याम प्रकाश को मैदान में उतारकर मुकाबले को त्रिकोणीय करने का प्रयास किया है।

वाराणसी जिलाधिकारी ने सब इंस्पेक्टर को बूथ से हटाया

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी कैंट विधानसभा के कमच्छा स्थित रणवीर संस्कृत विद्यालय पर तैनात सीपीएमएफ प्रभारी चमन लाल सब इंस्पेक्टर आइटीबीपी को निर्वाचन के दौरान सभी पोलिंग एजेंट की वोटर लिस्ट को फेंकवा दिए जाने पर माहौल तल्ख हो गया। इस दौरान सब इंस्पेक्टर आइटीबीपी ने यह कहते हुए एक उम्मीदवार को रोक दिया कि मैं 6 चरणों का चुनाव करा कर आया हूं। मुझे नियमों की पूरी जानकारी है। व्यवस्था बिगड़ने पर डीएम / जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा ने निर्वाचन नियमों के उल्लंघन पर चमन लाल को कार्यमुक्त कर दिया। इनके स्थान पर भी रिजर्व सीपीएमएफ व पीएसी को मतदान केंद्र पर लगाने का आदेश दिया। वाराणसी में सोमवार को सातवें और अंतिम चरण की वोटिंग हो रही है। सुबह 11 बजे तक 21.19 फीसदी मतदान हो चुका था। सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान प्रक्रिया में सुबह 9:30 बजे तक आठों विधानसभा में करीब 17 ईवीएम मशीन खराब होने की शिकायत कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई जिसे तत्काल निर्वाचन कार्यालय द्वारा दूसरी मशीन लगाते हुए मतदान प्रक्रिया शुरू कराई गई। जिले में वाराणसी कैंट, वाराणसी उत्तरी, वाराणसी दक्षिणी, अजगरा, रोहनिया, सेवापुरी, पिंडरा और शिवपुर के लिए मतदान हो रहा है। विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में वाराणसी की आठ सीटों पर सभी की नजर है।

महाविद्यालय में चल रहे 'युवा महोत्सव 2022' के तीसरे और अन्तिम दिन हुआ सांस्कृतिक समारोह

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या)का०सु० साकेत महाविद्यालय में चल रहे 'युवा महोत्सव 2022' के तीसरे और अन्तिम दिन सांस्कृतिक समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि फैजाबाद के सांसद लल्लू सिंह जी थे। महाविद्यालय प्रबन्धतन्त्र के अध्यक्ष दीपकृष्ण वर्मा, मन्त्री आनन्द सिंहल और प्राचार्य प्रो० अभय कुमार सिंह की उपस्थिति में माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन और सरस्वती वन्दना से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।इस मौके पर साकेत महाविद्यालय गीत के पश्चात मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह और विशिष्ट अतिथियों, कुँवर सिंह पीजी कॉलेज बलिया के प्राचार्य प्रो० अंजनी सिंह, बीएनकेबी पीजी कॉलेज अकबरपुर की प्राचार्य प्रो० शुचिता पाण्डेय, शिव हर्ष किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बस्ती की प्राचार्य प्रो० रीना पाठक का स्वागत और परिचय कराते हुए प्राचार्य प्रो० सिंह ने कहा कि लल्लू सिंह अयोध्या–फैजाबाद में विकास कार्यों के पर्याय हैं। लल्लू सिंह जी की पहल से ही अयोध्या में राम मन्दिर निर्णय से पूर्व कई विकास कार्य शुरू हो गए थे। प्रो० अंजनी सिंह, प्रो० शुचिता पाण्डेय और प्रो० रीना पाठक का प्राचार्य चयनित होना महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है।देश को स्वतन्त्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश में 75 सप्ताह तक चलने वाले 'आजादी का अमृत महोत्सव' के परिप्रेक्ष्य में महाविद्यालय के इस वर्ष के युवा महोत्सव का विषय भी 'आजादी का अमृत महोत्सव' ही था।इस कार्यक्रम की शुरुआत में लता मंगेशकर को उनके गीत 'ए मेरे वतन के लोगों...' द्वारा छात्र विभोर शुक्ला और सुनील कुमार ने अपने बेहतरीन गायन से श्रद्धान्जलि दी। सांस्कृतिक परिषद की अध्यक्ष डॉ० कुमुद सिंह और संगीत विभाग की अध्यक्ष डॉ० सुरभि पाल के निर्देशन में इस गीत के गायन के साथ–साथ छात्र रितिक प्रजापति ने दर्शकों के सामने लता जी का चित्र कुछ ही पलों में कैनवास पर उकेर दिया। छात्रों की इस प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इसके बाद कव्वाली 'लहराए आसमान में भारत का तिरंगा' ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया। फिर भारत के अलग–अलग राज्यों के नृत्य पर आधारित कार्यक्रम 'विविधता में एकता', आतंकवाद की विभिषिका और देश की अक्षुण्णता पर आधारित कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', लघु नाटिका 'आजादी के पहले और आजादी के बाद का भारत' और 'आजादी के मतवाले' कार्यक्रमों में छात्रों द्वारा मोहक प्रस्तुति दी गई। आखिरी सांस्कृतिक कार्यक्रम 'आजादी के रंग–फागुन की उमंग' में स्वतन्त्रता क्रांतिकारियों की होली को बेहद भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया गया जिससे दर्शक दीर्घा में मौजूद सभी दर्शक देशभक्ति के रंग में सरोबार हो गए। वही मुख्य अतिथि के रुप में आये लल्लू सिंह ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय में बिताए गए स्वयं के दिनों को याद करते हुए गुरु–शिष्य परम्परा को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि महाविद्यालय के पुरा छात्र और क्षेत्र का सांसद होने के नाते वह महाविद्यालय की आधारभूत संरचना और पठन–पाठन के उन्नयन के लिए कृतसंकल्पित हैं। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के मन्त्री आनन्द सिंहल ने कहा कि प्राचार्य ही महाविद्यालय की सभी गतिविधियों का धुरी होता है, शेष सभी लोग निमित्त मात्र होते हैं। महाविद्यालय के चौमुखी उन्नयन के लिए उन्होंने स्वयं के पूरे सहयोग का भरोसा दिलाया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष दीपकृष्ण वर्मा ने महाविद्यालय से सम्बन्धित स्मृतियों को याद किया और कुछ देशभक्ति गीत भी गाये। सांस्कृतिक परिषद के सदस्यों ने प्राचार्य और अतिथियों को बुके देकर सम्मान किया। सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष, सचिव और सदस्यों का प्राचार्य, प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष और मन्त्री द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया। समारोह में महाविद्यालय के पूर्व मुख्य नियन्ता डॉ० एस०पी० सिंह, मनोविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ० राधेश्याम तिवारी, प्रबन्ध समिति के सदस्य अरविन्द सिंघल, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धक बीके सिंह, मुख्य नियन्ता डॉ० अनिल सिंह, छात्र कल्याण अधिकारी डॉ० बी०डी० द्विवेदी, नेवल विंग के सब लेफ्टिनेंट डॉ० अशोक मिश्रा, कैप्टन डॉ० मनीष सिंह, डॉ० प्रतिभा राय, डॉ० शिव कुमार तिवारी, डॉ० वन्दना जायसवाल, डॉ० शशि सिंह सहित महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स, नेवल विंग, रोवर्स–रेंजर्स और अन्य छात्र–छात्रायें मौजूद थे। महाविद्यालय के सह–मीडिया प्रभारी डॉ० प्रभात श्रीवास्तव ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० मिर्जा शहाब शाह और संस्कृत विभाग के डॉ० अखिलेश की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ० कुमुद सिंह और डॉ० आशुतोष सिंह ने किया।

साथी के निलंबन पर जेई कर्मियो में रोष : बहाल न होने पर करेंगे आंदोलन

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या)गत दिनों डीएम आवास के बोर्ड का रंग बदलने के मामले में जेई पर निलंबन की कार्रवाई को लेकर साथी कर्मचारियों में उबाल आ गया है। उन्होंने जेई अजय कुमार शुक्ल को बलि का बकरा बनाए जाने की बात कहते हुए चेतावनी दी है।इन कर्मियो ने कहा कि अगर तत्काल बहाली न की गई तो हम आचार संहिता समाप्त होने के बाद आंदोलन के लिए विवश होंगे। दरअसल, तहसील रोड स्थित डीएम आवास के बाहर 48 घंटों में बोर्ड का तीन बार बदला गया। भगवा रंग के बोर्ड को पहले हरा किया। फिर हरे से लाल और अंततः पीडब्ल्यूडी के जेई अजय कुमार शुक्ल को निलंबित करते हुए बोर्ड के रंग को फिर से भगवा कर दिया था। इसके बाद जेई अजय कुमार शुक्ल के समर्थन में उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लामबंद हो गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एनडी द्विवेदी ने प्रमुख अभियंता को पत्र लिखकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा है कि इस प्रकरण में अधिकारियों ने अपने आप को बचाने के लिए जेई अजय शुक्ला को जिम्मेदार ठहरा दिया। यह भी संज्ञान में लेने की जहमत नहीं ली गई कि आखिर बिना किसी अधिकारी के निर्देश मिले ही जेई ने बोर्ड का रंग तो नहीं बदलवाया। निर्देश देने वाले अधिकारी को बचाने के लिए जेई को निलंबित कर दिया गया। उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की अयोध्या मण्डल इकाई के क्षेत्रीय महामंत्री राम अनुज मौर्य ने कहा कि यदि जेई को तत्काल बहाल नहीं किया जाता है तो हम आचार संहिता समाप्त होने के बाद आन्दोलन के लिए विवश होंगे।

राम नगरी अयोध्या स्थित कांशीराम कालोनी में सक्रिय नशेड़ियो पर अंकुश लगाने के लिये संत महात्मों ने की मांग

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता) रामनगरी के रामघाट स्थित कांशीराम कालोनी में शराब व गांजे की ब्रिकी सरेआम आ रहे हैं। सूत्रो के मुताबिक स्मैक की डिलेवरी बाईक से की जा रही है। इस संबध में लोगों ने बताया कि चार दशक पहले सेक्स पावर बढ़ाने के लिए अयोध्या में शुरु हुआ मदक का धंधा समय के साथ बदल स्मैक,चरस व गांजा आदि में बदल चुका है। इस नशे के शिकार होकर 10 से ज्यादा युवा अपनी जान गवां चुके हैं तो सौ से ज्यादा मरने से पहले तड़प रहे हैंघर की खिड़की से गांजा का पैकेट दे रही महिला, अयोध्या के कांशीराम कालोनी में कच्ची शराब व गांजा बेचने की बात लंबे समय से चल रही है पर रविवार को एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है।इस वीडियों में महिला लोहे की सींखचों के बीच से 30 रुपये का गांजा का पैकेट देते हुए दिखती हैसवह कहती है कि 70 वाला पैकेट खत्म हो चुका है। वीडयों में दो ग्राहक गांजा का पैकेट लेकर जाते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। गांजे का 30 रुपये वाला पैकेट दिखाता ग्राहक, इसके अलावा अयोध्या धाम में ही स्वर्गद्वार, राम की पैड़ी, कटरा, ऋणमोचन घाट आदि स्थानों पर स्मैक व चरस की बिक्री आम बात हैस आप अयोध्या में कहीं भी । खास नंबरों पर फोन करते ही बाइक सवार आपको स्मैक की डिलेवरी पांच से दस मिनट के अंदर कर देते हैं। खास बात यह है कि अयोध्या के कुछ होटलों से लेकर स्नानघाटों तक इस गिरोह के तार जुड़े हुए हैं। अयोध्या के सरयूतट के कछारों में राजघाट से लेकर गुप्तारघाट तक कच्ची शराब को बनाने व बेंचने का धंधा तेजी से फल–फूल रहा है। यह हाल तब है जबकि अयोध्या की 14 कोसी परिक्रमा की सीमा में मांस व मदिरा की ब्रिक्री पर रोक हैस विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा व संत–महंत कई बार डीएम व एसएसपी आदि अधिकारियों से मिलकर इसे रोकने की मांग भी करते रहे हैं।

रेडीमेड गारमेन्ट दुकान से लाखो रुपये कीमती कपडे व नगदी चोरी : पुलिस जाँच में जुटी

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के रौनाही थाना सत्ती चौरा चौकी क्षेत्र अंतर्गत पूरे कीरत कांटा चौराहा स्थित गुप्ता रेडीमेड वस्त्रालय की दुकान का शटर काटकर लाखो रुपये के कपडे सहित दस हजार रुपये नकदी की चोरी का मामला सामने आते ही बाजार मे हडकंप मच गया।इस घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने मामले की तफ्शीस शुरु की। दुकानदार स्वामी नाथ कसौधन ने बताया कि शनिवार शाम दुकान बंद कर इसी थाना क्षेत्र मोहम्मद पुर घर आया था।जरूरी काम के कारण सुबह के बदले दोपहर को दुकान पर आते ही शटर कटा हुआ था कीमती कपडो सहित दराज मे रखे दस हजार रुपये गायब पाए गये। इस बावत मे चौकी प्रभारी देवेंद्र नाथ राय ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है कुछ संदिग्धो की तालाश की जा रही है। शीघ्र ही घटना मे शामिल लोगो को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

माघ मेला 2022 सकुशल पूर्वक सम्पन्न कराने पर माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक डा. मिश्र हुये सम्मानित

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी के पावन संगम तट पर सबसे बड़े धार्मिक एवम् आध्यात्मिक आयोजन माघ मेला 2022 प्रथम स्नान पर्व मकर संक्रान्ति 14 जनवरी 2022 से प्रारंभ होकर अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि दिनांक 01 मार्च 2022 को सकुशल व निर्विघ्न संपन्न हुआ।इसे सकुशल रुप से सम्पन्न कराने में 'मुख्य रुप से माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक डॉ राजीव नारायण मिश्र व अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।जिसके चलते माघ मेला प्रभारी डाक्टर मिश्र व उनके टीम को इस सराहनीय योगदान देने वाले पुलिस कर्मियों को उच्चाधिकारियो द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इसी क्रम में मेले को सकुशल एवं निर्विघ्नं रुप से संपन्न कराने में समस्त पुलिस बल को कुशल नेतृत्व प्रदान करते हुए सराहनीय योगदान देने हेतु पुलिस अधीक्षक माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र को मंडलायुक्त संजय गोयल आईएएस, अपर पुलिस महानिदेशक प्रेम प्रकाश आईपीएस एवं डॉ राकेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक संयुक्त रूप से एवं जिलाधिकारी प्रयागराज संजय खत्री, आईएएस एवं मेला प्रभारी अरविंद चौहान आईएएस की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।माघ मेला मीडिया सेल के मुताबिक कुल 47 दिन चले इस माघ मेले में गंगा, यमुना तथा अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में पुण्य अर्जन का भाव संजोए देश के कोने कोने से आए करोड़ो श्रद्धालुओं ने आस्था एवं पुण्य की डुबकी लगाई।माघ मेला 2022 में श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों के सुगम आवागमन, सुरक्षित स्नान तथा सुरक्षित प्रवास हेतु समस्त पुलिस प्रबंध सुनिश्चित किए गए। लगभग 641.5 हेक्टेयर में फैले संपूर्ण मेला क्षेत्र को पुलिस व्यवस्था के दृष्टिगत 02 जोन, 05 सेक्टर व 07 सर्किलों में विभाजित कर 13 थानों (01 महिला थाना, 01 जल पुलिस थाना), 13 अग्निशमन केंद्र और 36 चौकियां व्यवस्थापित की गई। संगम क्षेत्र को झूंसी क्षेत्र से जोड़ने हेतु 05 पांटून पुलों का निर्माण किया गया। श्रद्धालुओं के सुरक्षित स्नान हेतु संगम 24 स्नान व नाव घाट विकसित किया गये।श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन हेतु स्नान घाटों के निकटस्थ ही विभिन्न पार्किंग स्थलों की समुचित व्यवस्था की गयी।मेले को सकुशल संपन्न कराने हेतु 01 पुलिस अधीक्षक, 03 अपर पुलिस अधीक्षक, 10 पुलिस उपाधीक्षक, 19 निरीक्षक व लगभग 5000 पुलिस कर्मियों सहित नागरिक पुलिस, महिला पुलिस, यातायात पुलिस, जल पुलिस, पीएसी, एसडीआरएफ, एलआईयू, एटीएस, रेडियो दूरसंचार, घुड़सवार पुलिस, फायर सर्विस, डॉग स्क्वायड, बीडीडीएस, एएस चेक टीम, पीआरडी, तथा होमगार्डों के जवानों की तैनाती की गई।मेला क्षेत्र में सतर्क दृष्टि, नियंत्रण एवं समन्वय रखने के लिए मेला नियंत्रण कक्ष, 'इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर', सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, वायरलेस ग्रिड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सम्यक संचार व्यवस्था स्थापित की गई। स्नान घाटों पर 'डीप वाटर बैरिकेटिंग' की गई तथा एकल दिशा मार्ग के लिए 'फ्लोटिंग रिवर लाइन' लगाई गई। स्नान

घाटों में बैरिकेटिंग के साथ साथ जल पुलिस,एसडीआरएफ व पीएसी की बाढ़ राहत कंपनियों के जवानों के साथ गोताखोरों की नियुक्ति की गई थी।माघ मेला 2021–22 में विभिन्न तिथियों में प्रस्तावित कुल 06 स्नान पर्व–मकर संक्रांति पर्व (14/15.जनवरी 2022) पर लगभग 9 लाख, पौष पूर्णिमा पर्व (17 जनवरी 2022) पर लगभग 1.85 लाख, मौनी अमावस्या पर्व (01 फरवरी 2022 पर लगभग 1.05 करोड़, बसंत पंचमी पर्व (05 फरवरी 2022) पर लगभग 15.20 लाख, माघी पूर्णिमा पर्व (16 फरवरी 2022) पर लगभग 10.20 लाख तथा महाशिवरात्रि पर्व (01 मार्च 2022) पर लाखों, साधू सन्यासियों, महंतो, संस्था प्रमुखों, श्रद्धालुओं तथा विशिष्ट महानुभावों द्वारा संगम क्षेत्र में स्नान तथा भ्रमण किया गया। सामान्य दिवसों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का स्नान व आवागमन जारी रहा। माघ मेला के दौरान उच्च न्यायालय के विभिन्न न्यायमूर्तियों तथा विशिष्ट महानुभावों का निर्दिष्ट प्रोटोकॉल तथा सम्यक सुरक्षा प्रदान करते हुए सकुशल आवागमन सुनिश्चित कराया गया।इस माघ मेला क्षेत्र में कोविड–19 संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से माघ मेला अवधि के दौरान विभिन्न प्रयास किए गए, जिससे प्रति व्यक्ति घनत्व कम करने के उद्देश्य से स्नान घाटों का विस्तार, समस्त पुलिस कर्मियों की 'निगेटिव' कोविड–19' टेस्ट रिपोर्ट के उपरांत ही मेला क्षेत्र में आमद, मेला क्षेत्र के विभिन्न 17 प्रवेश द्वारों पर स्वास्थ्य एवं पुलिस कर्मियों की संयुक्त कोविड–19 टास्क फोर्स का गठन कर नियुक्ति, समस्त कल्पवासियों का कोविड–19 परीक्षण 'नेगेटिव रिपोर्ट' के उपरांत ही मेला क्षेत्र में प्रवास अनुमन्य करना, समस्त नाविकों एवं मल्लाहों का लाइसेंस निर्गत करते समय ही 'नेगेटिव' रिपोर्ट' लेना, 'पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम' के माध्यम से लगातार श्रद्धालुओं को स्वयं 'कोविड–19 प्रोटोकॉल' का पालन करने हेतु आत्म प्रेरित व जागरूक करना, मास्क वितरण आदि उपक्रम किए गए। माघ मेला क्षेत्र में विभिन्न समयों में 'मास्क' धारण ना करने पर मेला अवधि के दौरान कुल 2528 व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 2,55,130 रु शमन शुल्क वसूल किया गया।माघ मेला 2022 को सकुशल व निर्विघ्नं संपन्न कराने में आवंटित विभिन्न इकाइयों के समस्त पुलिस बल द्वारा अत्यंत ही निष्ठा पूर्वक अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन किया गया।समस्त अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के संयुक्त योगदान तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन के फलस्वरूप माघ मेला वर्ष 2021–22 सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न हुआ।

यलो जोन में तैनात सुरक्षा कर्मी की संदिग्ध अवस्था मौत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) भगवान राम की नगरी अयोध्या में एक बड़ी खबर सामने आई है।यहां पर राम जन्मभूमि के यलो जोन की सुरक्षा में तैनात एक सिपाही की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।सूत्र के मुताबिक उक्त सिपाही ने आत्महत्या कर ली है।सूत्र के मुताबिक सिपाही गगन राठी 2019 बैच के थे और मुजफ्फरनगर के रहने वाले थे।अयोध्या में किराए के मकान में रहकर वे राम जन्मभूमि क्षेत्र के यलो जोन में ड्यूटी कर रहे थे।आज सुबह जब सिपाही ने अपने कमरे का गेट नहीं खोला तो मकान मालिक ने 112 नंबर पर सूचना भेजी।मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और फॉरेंसिक टीम ने जांच की तो सिपाही के कमरे से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताया है।पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही परिजनों को सूचना दे दी गई है।मकान मालिक के अनुसार, सिपाही गगन राठी नशे का आदी था और आये दिन शराब पीकर झगड़ा करता था।कल देर रात भी उसने शराब पीकर फोन पर किसी से गाली गलौज की।मृतक के कमरे से शराब की बोतल भी मिली है।मकान मालिक अभिषेक पांडे ने बताया कि बीते दिनों शराब पीकर मृतक सिपाही का अपने रूम पार्टनर दूसरे सिपाही से विवाद हुआ था। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई थी।जिसमें एक सिपाही को पुलिस ने कमरा खाली करा दिया था।मृतक सिपाही के कमरे से सुसाइड नोट मिला है और मामला प्रेम प्रसंग का नजर आ रहा है. मृतक सिपाही 26 दिसंबर से किराए के मकान में रह कर अयोध्या यलो जोन में ड्यूटी कर रहा था।वहीं, सिपाहियों को भोजन सर्विस देने वाले युवक किशन ने बताया कि वह

कल देर रात सिपाही का टिफिन लेकर के कमरे में पहुंचा था, जहां पर सिपाही नशे की हालत में किसी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था और रो भी रहा था।आज सुबह जब टिफिन देने युवक आया तो अंदर से दरवाजा बंद था और बहुत आवाज देने के बावजूद भी कमरा नहीं खुला।ऐसे में टिफिन बाहर रख कर के ही चला गया था।इस घटना की सूचना पाकर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे ने बताया कि फर्रुखाबाद जनपद के सिपाही जो यलो जोन में ड्यूटी कर रहा था, उसके कमरे न खुलने की सूचना डायल 112 पर मकान मालिक के द्वारा दी गई थी. तत्काल मौके पर पुलिस टीम पहुंची।जब खिड़की से झांक कर देखा गया तो पंखे से सिपाही लटका हुआ मिला. इसके बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाकर अधिकारियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया. इस मामले पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।घरवालों को सूचना दी गई है।मृतक सिपाही का पंचनामा कर के पोस्टमार्टम की कार्रवाई आगे की जाएगी।मृतक सिपाही मुजफ्फरनगर का रहने वाला था।

घर में घुसकर महिला को पीटा : पानी फेंकने को लेकर हुआ था झगड़ा

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के थाना खंडासा क्षेत्र में पीडित के मुताबिक घर के अंदर कार्य कर रही महिला को दबंगों ने घर में घुसकर लाठी–डंडों से जमकर मारा पीटा।जिससे पीडिता मारपीट में पुष्पा कौशल गंभीर रूप से घायल हो गई है ।मामला खंडासा गांव का बताया जा रहा है । पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दबंगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडासा थाना क्षेत्र के खंडासा गांव निवासिनी पुष्पा कौशल पत्नी दीपचंद कौशल अपने घर पर सुबह गृहकार्य कर रही थी।उसी बीच पड़ोसी गणेश चंद के परिजनों ने पुष्पा के दरवाजे पर पानी फेंक दिया। जब पुष्पा ने इसका विरोध किया तो उक्त लोग उसके साथ गाली गलौज करते हुए हमलावर हो गए और घर में घुसकर लाठी–डंडों से जमकर पुष्पा को लहूलुहान कर दिया। गुहार लगाने पर जब अन्य लोग दौड़े तो उक्त लोग पुष्पा के घर से निकल कर अपने घर की ओर चले गए।पीड़िता पुष्पा ने पूरे मामले की लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र थाने पहुंचकर पुलिस को दिया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने गणेश चंद्र पुत्र राम शंकर ,संगीता पत्नी गणेश शंकर ,दिलीप, सूरज पुत्र गणेश चंद्र, आरती ,काजल पुत्री गणेश चंद्र निवासी खंडासा के खिलाफ अपराध संख्या 59/22 और धारा 147, 323 ,452 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष खंडासा संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायती पत्र पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है मामले की जांच की जा रही है। वही पीड़ित महिला ने आरोप लगाते हुए बताया कि पुलिस चौकी पर पुलिस के साथ ही हमारे विपक्षी बैठे रहते हैं इसीलिए चौकी पुलिस उनकी गिरफ्तारी नहीं कर रही है, जिससे उनका मनोबल बढ़ रहा है।

14 तक भरे जायेंगे बीएड व एमएड के बैक पेपर फार्म

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या)डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के बीएड एवं एम एड वर्ष–2021 के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के बैक पेपर की परीक्षा के लिए आनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र व परीक्षा शुल्क सात मार्च से 14 मार्च तक भरे एवं जमा किए जाएंगे।यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि महाविद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि पूरित आवेदन पत्रों का आनलाइन सत्यापन व वेरीफिकेशन 16 मार्च तक परीक्षा आवेदन पत्र परीक्षा विभाग में 18 मार्च तक जमा कराना सुनिश्चित करें। इस सम्बन्ध ा में यह भी अपेक्षा की जा रही है कि पूरित परीक्षा आवेदन पत्रों का स्वयं सूक्ष्मता से निरीक्षण कर लें नाम एवं पिता के नाम में त्रुटि होने पर सम्बन्धित छात्र एवं महाविद्यालय स्वयं जिम्मेदार होंगे।

रौनाही थानाध्यक्ष की सूझबूझ से दशकों पुराना विवाद सुलझा

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)जिले के रौनाही थाना की पुलिस चौकी सत्तीचौरा के अंतर्गत बड़ागाँव के चाणक्यपुरी मोहल्ले में स्थित प्राचीन शिव मंदिर की जमीन को गाँव के ही निवासी एक व्यक्ति बैनामे की जमीन बताकर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे।उक्त व्यक्ति द्वारा मंदिर की जमीन पर कब्जा ना पाने से निराश होकर प्रॉपर्टी डीलरों के हाथ भी उप जमीन बेचने का प्रयास कर रहा था ग्रामवासियों को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने पुलिस, प्रशासन से जनहित में न्याय करने की गुहार लगाई। जिस पर थानाध्यक्ष रौनाही ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय 'खुन्नू' कप्तान तिवारी, आचार्य अर्जुन तिवारी, रामप्रताप गुप्ता एवं क्षेत्र के अन्य सभ्रांत लोगों की मदद से दशकों से चल रहे इस विवाद में समझौता करा सर्वहित रूपी निर्णय कर दिया।आपसी भाईचारा बनाये रखने की बात कही।वही थानाध्यक्ष द्वारा किये गये इस न्याय से ग्रामवासियों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर, इंस्पेक्टर शमशेर बहादुर सिंह चौकी इंचार्ज सतीचौरा डी एन राय नरसिंह नारायण सिंह, संग्राम सिंह, रंजीत सिंह, राजकुमार त्यागी, लल्लू सेन, बलराम चौरसिया,दशरथ सोनी, सुनील सोनी, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति में स्त्री का दर्जा पुरूष की अपेक्षा अधिक सम्माननीय – डॉ. रोमा अरोड़ा

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा परिचर्चा व सम्मान समारोह शाने अवध सभागार में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. रोमा अरोड़ा प्राचार्य मचूना डिग्री कालेज अयोध्या ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।इस मौके पर पर मुख्य अतिथि को ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महेन्द्रा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रतीक भज्जा, कार्यक्रम की संयोजक व ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष संतोष गर्ग, रीता गुप्ता, आशीष कौर, सुचिता भल्ला, आरती शुक्ला, शशि रावत ने माल्यार्पण करके व शाल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत व अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि डॉ. रोमा अरोड़ा प्राचार्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि इतिहास गवाह है कि नारी ने हमेशा से परिवार का संचालन का उत्तरदायित्व सम्भालते हुए समाज निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डीआईओएस ने कोचिंग शिक्षकों को किया सम्मानित

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के शिक्षा क्षेत्र सोहावल अंतर्गत मुबारकगंज बाजार में संचालित न्यू आदर्श कोचिंग शिक्षण संस्थान की तरफ से क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षण ग्रहण करने वाले गरीब और असहाय छात्र–छात्राओं को निशुल्क शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षकों को डीआईओएस ने सम्मानित किया है। मुबारकगंज बाजार में न्यू आदर्श कोंचिंग शिक्षण संस्थान की तरफ से गरीब बच्चे जिनके माता पिता की किसी कारण बस मृत्यु हो गई है।ऐसे निसहाय और गरीब परिवार से जुड़े बच्चों को शिक्षण संस्थान की तरफ से कॉपी किताब से लेकर पूरी पढ़ाई निशुल्क रूप से शिक्षण संस्थान की तरफ से करवाई जा रही है। संस्थान के प्रबंध निदेशक विवेक मिश्रा की माने तो अब तक जन समाज इंटर कॉलेज की तीन छात्राओं में अलीगंज निवासी सलोनी व सरैयां निवासी मुस्कान व निधि गुप्ता जिनके पिता की मृत्यु गम्भीर बीमारी से हो चुकी है। ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर इन परिजनों की छात्राओं को संस्थान निशुल्क कोचिंग शिक्षा प्रदान करवा रहा है। यही नही इस कोचिंग संस्थान की तरफ से करीब 60 छात्र–छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसी परिपेक्ष्य में जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पांडेय ने शिक्षण संस्थान के प्रबंधक विवेक मिश्रा व शिक्षक शुभम को सीताराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया है। शिक्षकों के सम्मानित होने पर शुभम कनौजिया, रमेश मिश्रा ,अंजुल मिश्रा ,सुशील मिश्रा ,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सर्वेश सिंह आदि ने सराहना की है।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।